हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शनिवार, 13 जुलाई 2024

11 समाधान शिविर में विभिन्न मांगों को लेकर सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

12 बढ़ोतरी कर 17 हजार वेतन की घोषणा खोखली, पहले ही थी 16900 रुपये

खबर संक्षेप

थनवास के बांध में डूबने से युवक की मौत

नारनौल। गांव थनवास के बांध में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार थनवास निवासी करीब 31 वर्षीय विक्रम पुत्र लीलाराम की गांव के ही बांध में डूबने से मौत हो गई। विक्रम के भाई प्रकाशचंद ने बताया कि सवेरे विक्रम गांव के बांध में नहाने गया था। बांध में करीब 22-23 फुट पानी भरा हुआ था और वह उसी में डूब गया। उन्होंने बताया कि वह घर से कई देर तक गायब रहा, तब उसे खोजने का प्रयास किया, लेकिन उसका मोबाइल फोन भी घर पर चार्जर में लगा हुआ था। वह अविवाहित था और घर पर ही रहता था।

योजना आवेदन के लिए 16 से 30 तक खुलेगा पोर्टल

नारनौल। मुख्यमंत्री शहरी निकाय स्वामित्व योजना के तहत नगरपालिकाओं के 20 वर्ष या इससे अधिक वर्ष के दुकान, किराएदार, लीज धारकों के आवेदन के लिए 16 जुलाई से पोर्टल खुलेगा। जिला नगर आयुक्त महावीर प्रसाद ने बताया कि मुख्यमंत्री शहरी निकाय स्वामित्व योजना के तहत नगरपालिकाओं के 31 दिसंबर-2020 को 20 वर्ष या इससे अधिक वर्ष के दुकान, किराएदार, लीज धारकों व तहबाजारी वालों के आवेदन के लिए 16 जुलाई से 30 जुलाई तक पोर्टल खुलेगा।

पार्क की दीवारों पर लगी लोहे की ग्रिल चोरी

कनीना। खंड के गांव उन्हाणी में बने पार्क की दीवारों पर लगी लोहे की ग्रिल अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। इस बारे में ग्राम सरपंच पूजा ने सिटी थाना में दी शिकायत में बताया कि दादरी मार्ग पर पेयजल टंकी के पास बने पार्क की दीवार में लोहे की 20 ग्रिल लगाई गई थी। जिसे अज्ञात चोर 11 जुलाई रात्रि को चोरी कर ले गए। इतना ही नहीं पार्क की दीवार भी गिरा दी गई। मौके पर वाहनों के पहिये के निशान मिले हैं।

चितलांग में निःशुल्क शिविर आज

महेंद्रगढ़। संजीवनी आई अस्पताल की टीम की ओर से क्षेत्र के गांवों में पिछले तीन माह से निःशुल्क शिविर चलाए जा रहे है। आसपास के गांवों के लोग भरपूर लाभ उठा रहे हैं। संजीवनी आई अस्पताल संचालक व रिटायर्ड सीएमओ डॉ. ओपी आर्य ने बताया कि शनिवार को गांव चितलांग के सरपंच हरिओम के सौजन्य से आंखों का निःशुल्क शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसका रजिस्ट्रेशन सुबह 8:30 बजे शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने मरीजों को रजिस्ट्रेशन के लिए मरीज अपना मोबाइल भी साथ लेकर आए।

स्नातक की दूसरी मेरिट लिस्ट हुई जारी, 15 तक फीस जमा कर ले सकेंगे दाखिला

- दूसरी मेरिट लिस्ट में आया 176 विद्यार्थियों का नाम,17 जुलाई को होगी ओपन काउंसिलिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से स्नातक कोर्स के दाखिले के लिए दूसरी मेरिट लिस्ट जारी कर दी गई हैं। मेरिट लिस्ट में शामिल विद्यार्थी 15 जुलाई तक फीस जमा कर दाखिले ले सकेंगे। जिन विद्यार्थियों को मेरिट लिस्ट में नाम नहीं आया है वह 17 जुलाई को ओपन काउंसिलिंग में शामिल होकर दाखिला ले सकेंगे।

बता दें कि उच्चतर शिक्षा विभाग की की ओर जारी शेड्यूल के अनुसार कॉलेजों को 29 मई से एक जून तक कॉलेज संबंधित ब्यौरा पोर्टल पर अपलोड करने के आदेश दिए गए थे।

वहीं विद्यार्थियों को स्नातक विषय में दाखिले लेने के लिए तीन जून से 25 जून तक ऑनलाइन आवेदन करने का मौका दिया गया था, लेकिन विभाग की ओर से आवेदन करने एक ओर मौका देते हुए अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 जून कर दी गई थी।

विभाग के नए शेड्यूल के अनुसार 2 जुलाई तक आवेदन पत्रों की जांच की जाएंगी। वहीं 5 जुलाई को पहली मेरिट सूची जारी की जाएंगी। मेरिट लिस्ट में शामिल विद्यार्थियों को 9 जुलाई तक फीस जमा करके दाखिला लेने का समय दिया गया था। 11 जुलाई को दूसरी प्रोविजनल मेरिट लिस्ट जारी हुई थी।

महेंद्रगढ़। राजकीय महिला महाविद्यालय। फोटो : हरिभूमि

पीजी कॉलेज नारनौल दूसरी मेरिट लिस्ट

कैटेगरी	बीए	बीबीए	बीसीए	बीकॉम	बीएससी लाइफ साइंस	बीएससी फिजिकल साइंस
एआईओसी	70.06	77	—	65.8	73	71.4
एचओजीसी	44	61.8	80	—	62.4	50.6
एआईओसी ईडब्ल्यूएस	—	60.8	—	—	—	—
एचओजीसी ईडब्ल्यूएस	—	—	—	—	—	—
एससी	—	48.6	67.2	—	—	—
डीएससी	—	—	—	—	—	—
बीसी-ए	—	—	74.0	—	—	—
बीसी-बी	—	59	77.4	—	—	—
डीए	—	—	—	—	—	—

दूसरी मेरिट लिस्ट में 176 बच्चों का नाम: राजकीय महिला विद्यालय में दूसरी मेरिट लिस्ट में 39 छात्राओं का नाम शामिल हैं। बीए कोर्स में लिस्ट एआईओसी 63.8 व एचओजीसी 60.4 पर पहुंच चुकी हैं। बीए की दूसरी लिस्ट में 23 व बीएससी लाइफ साइंस में 6, बीएससी फिजिकल साइंस में 10 छात्राओं का नाम आया हैं। वहीं राजकीय महाविद्यालय की दूसरी मेरिट लिस्ट में 137 विद्यार्थियों का नाम शामिल हैं। बीए एआईओसी कैटेगरी की सूची 72.4, एचओजीसी की 85, बीसीए की 52.2 व बीसीबी की 37 पर लिस्ट पहुंच चुकी है तथा दूसरी मेरिट लिस्ट में 103 विद्यार्थियों का नाम आया हैं। बीसीए की एआईओसी की सूची 83.4, इसीडब्ल्यू 71.6, एचओजीसी की 77, ईवीएस एचओजीसी की 65.2, एससी की 70.8, बीसीए की 75.2 व बीसीबी की 75.4 पर लिस्ट पहुंच चुकी हैं। वहीं दूसरी लिस्ट में 20 विद्यार्थियों का शामिल हैं। बीएससी लाइफ साइंस की एआईओसी कैटेगरी की लिस्ट 65.6 पर पहुंच चुकी है तथा लिस्ट में 4 विद्यार्थियों का नाम आया हैं। बीएससी फिजिकल साइंस की एआईओसी कैटेगरी की सूची 56.5 पर पहुंच चुकी है तथा सूची में 10 विद्यार्थियों का नाम आया हैं।

2360 सीट पर आए थे 4095 आवेदन: राजकीय महाविद्यालय के नोडल अधिकारी प्रो. विजय यादव ने बताया कि पांच कोर्सों में 1280 सीट पर 2268 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। 761 आवेदनों का सत्यापन किया जा चुका है। 45 आवेदन अभी लंबित हैं। बीए में 600 सीट पर 1405 आवेदन, बीकॉम में 80 सीट पर 158 आवेदन, बीसीए में 40 सीट पर 330 आवेदन, बीएससी लाइफ साइंस 160 सीट पर 252 आवेदन, बीएससी फिजिकल साइंस में 400 सीट पर 583 आवेदन आए हैं। राजकीय महिला महाविद्यालय के नोडल अधिकारी प्रो. मक्खन सिंह ने बताया कि महाविद्यालय में 1080 सीट पर 1367 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। बीए की 720 सीट पर 774 आवेदन, बीए ऑनर्स की 40 सीट पर 21 आवेदन, बीकॉम की 160 सीट पर 102 आवेदन, बीएससी लाइफ साइंस की 80 सीट पर 217 ओवदन, बीएससी फिजिकल साइंस की 80 सीट पर 253 आवेदन आए हैं।

पहली मेरिट लिस्ट में हुए दाखिले: उच्चतर विभाग की ओर से जारी की गई पहली मेरिट लिस्ट में राजकीय महाविद्यालय में बीए में 272, बीकॉम में 33, बीसीए में 17, बीएससी लाइफ साइंस में 39 व बीएससी फिजिकल साइंस में 117 दाखिले हुए हैं। वहीं राजकीय महिला महाविद्यालय में बीए में 258, बीए ऑनर्स में 4, बीकॉम में 42, बीएस लाइफ साइंस में 43 व बीएससी फिजिकल साइंस में 49 दाखिल हुए थे।

यह रहेगा शेड्यूल

- मेरिट लिस्ट में शामिल विद्यार्थियों के दाखिले 12 से 15 जुलाई
- पहली और दूसरी मेरिट लिस्ट में शामिल बचे हुए विद्यार्थियों की फिजिकल काउंसिलिंग 17 जुलाई

महेंद्रगढ़। बस स्टैंड महेंद्रगढ़। फोटो : हरिभूमि

- रोडवेज प्रबंधन ने दुरुपयोग को रोकने के लिए उठाया कदम
- यात्रा के दौरान निरीक्षक को एनसीएमसी कार्ड के साथ दिखानी होगी फोटो आईडी

एनसीएमसी कार्ड वालों को रोडवेज बसों में दिखानी होगी फोटो आइडी

- रोडवेज परिचालक भी एनसीएमसी कार्ड के साथ फोटो आइडी दिखाने पर ही यात्री का बनाएंगे टिकट

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

रोडवेज की बसों में नेशनल कामन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) से यात्रा करने वाले लोगों को अब फोटो आइडी भी साथ लेकर चलनी होगी। एनसीएमसी कार्ड से यात्रा करने वाले लोगों को न केवल फोटो आइडी दिखाने के बाद परिचालक टिकट जारी करेंगे, बल्कि यात्रा के दौरान निरीक्षण स्टाफ द्वारा जांच करने पर भी फोटो आइडी दिखानी होगी।

हरियाणा अंत्योदय परिवार परिवहन योजना (हैप्पी) के तहत जारी किए गए। एनसीएमसी कार्ड के दुरुपयोग की आशंका को देखते हुए रोडवेज प्रबंधन ने यह कदम उठाया गया है, ताकि कार्डधारक की बजाय कोई दूसरा व्यक्ति रोडवेज की बसों में सफर न करे। इसको लेकर रोडवेज महाप्रबंधक की तरफ से सभी डिपो परिचालकों व निरीक्षकों को लिखित आदेश जारी कर दिए हैं। रोडवेज बसों में प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में यात्री एनसीएमसी कार्ड से यात्रा कर रहे हैं।

परिचालक जारी करेंगे शून्य रुपये की टिकट

परिचालकों को एनसीएमसी कार्ड धारकों को शून्य की टिकट जारी करते समय फोटो आइडी (आधार कार्ड, वोटर कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, फोटोयुक्त बैंक पासबुक, विद्यालय व महाविद्यालय का आइकार्ड आदि) देखने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं अन्य रियायती एवं निश्शुल्क यात्रा सुविधा के लिए उक्त हिदायत जब तक उनके एनसीएमसी कार्ड जारी नहीं किए जाते हैं लागू नहीं होगी।

मुख्यालय के आदेशों का होगा पालन

रोडवेज महाप्रबंधक अनीत यादव का कहना है कि एनसीएमसी कार्ड से वाले लोगों की फोटो आईडी की जांच करने के बाद ही टिकट जारी करने तथा यात्रा के दौरान फोटो आइडी की जांच करने को लेकर सभी परिचालकों व निरीक्षकों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

डीईओ के निर्देश, सभी कोचिंग संस्थान पंजीकरण करवाकर ही संस्था चलाएं

बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे कोचिंग सेंटर स्कूल टाइम में कोचिंग सेंटर पर विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिला में बिना रजिस्ट्रेशन के कोचिंग सेंटर धड़ल्ले से चल रहे है। हैरानी है कि ऐसे अवैध कोचिंग सेंटर में पुलिस खुद जाकर बंद करवाने की बजाय वहां यातायात व साइबर क्राइम से जुड़े नियमों का पाठ पढ़ा रही है। इन कोचिंग सेंटरों के पास फायर एनओसी, भवन एनओसी व अग्नि सयंत्र जैसी सुविधाएं भी नहीं है। इन कोचिंग सेंटर को बंद करवाने की मांग एक माह पहले प्रोग्रेसिव प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने जिला प्रशासन व डीईओ कार्यालय के समक्ष उठाई थी। इसके बाद अब जाकर जिला शिक्षा विभाग ने निर्देश जारी कर बिना रजिस्ट्रेशन चल रहे कोचिंग सेंटरों को बंद करने के दिश निर्देश जारी किए है।

यह है हरियाणा निजी कोचिंग संस्थानों का पंजीकरण और विनियमन विधेयक-2024: फरवरी-2024 में हरियाणा निजी कोचिंग संस्थानों का पंजीकरण और विनियमन विधेयक-2024 के तहत निजी कोचिंग संस्थान से अभिप्राय है, किसी एकल परिसर में कोई निजी कोचिंग संस्थान जिसमें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अध्ययन कार्यक्रम की व्यवस्था करवाने वाले किसी व्यक्ति या व्यक्तियों की संस्था, सोसाइटी या न्यास या कंपनी द्वारा स्थापित, संचालित या प्रशासित ट्यूशन सेंटर भी शामिल हैं, किंतु इनमें प्रतिदिन 50 छात्रों तक व्यक्तिक गृह ट्यूशन और केंद्रीय सरकार, राज्य सरकार द्वारा या किसी अन्य विनियामक निकाय द्वारा मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों द्वारा संचालित नियमित पाठयक्रम शामिल नहीं है। प्रत्येक जिला स्तर पर निजी कोचिंग संस्थान को पंजीकृत और विनियमित करने के लिए कमेटी होगी। जिसमें उपायुक्त अध्यक्ष है।

वहीं पुलिस अधीक्षक, जिला नगर आयुक्त, जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी व जिला शिक्षा अधिकारी सदस्य है। वहीं अध्यक्ष की ओर से एक लेखा अधिकारी, एक राजकीय महाविद्यालय का प्रधानाचार्य व निजी कोचिंग संस्थानों में से ड्रा ऑफ लॉटस द्वारा चुने जाने वाले दो प्रतिनिधि भी सदस्य होंगे। जिला स्तर पर शिकायत निवारण प्रकोष्ठ का गठन करना है। किसी निजी कोचिंग संस्थन द्वारा किसी विशेष परीक्षा में चयनित छात्रों की संख्या सहित भ्रामक विज्ञापनों और मिथ्या दावों के अनाचार पर अंकुश लगाना होगा। हरियाणा के भीतर अपनी शाखा रखने वाले निजी कोचिंग संस्थन को ऐसी शाखा के लिए अलग से पंजीकरण प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा।

नारनौल। 15 जून को प्रकाशित समाचार। फोटो : हरिभूमि

आज ही निर्देश किए है जारी : डीईओ

डीईओ सुनील दत्त ने बताया कि शुक्रवार ही उन्होंने सभी कोचिंग संस्थानों को दिशा निर्देश जारी किए है। उन्होंने बताया कि सभी कोचिंग संस्थान उचित पंजीकरण करवाकर ही कोचिंग संस्थान चलाएंगे। सभी कोचिंग संस्थान पंजीकरण के समय जारी किए गए दिशा निर्देशों का दृढता से पालन करेंगे। जिसमें कि भवन सुरक्षा, छात्र सुरक्षा तथा अग्नि सुरक्षा इत्यादि मानकों का पालन करना सुनिश्चित करेंगे। सभी कोचिंग संस्थानों को निर्देश दिए जाते है कि कोई भी कोचिंग संस्थान विद्यालय समय में किसी भी विद्यार्थी को उनके विद्यालय से वंचित नहीं करेंगे।

पंजीकरण के लिए आवेदन करते समय यह सूचना देनी होगी

- ट्यूशन फीस, फीस का प्रतिदाय, आसान बहिर्गमन और व्याख्यानों की संख्या, शैक्षणिक, समूह चर्चा, परीक्षा समय सारणी इत्यादि सभी प्रकार की फीसों के ब्यौरों सहित पाठ्यक्रमों के पूरा होने की अवधि, विभिन्न पाठ्यक्रम या उनके भाग वर्णित करते हुए विवरण-पुस्तिका की प्रति
- प्रत्येक बैच के लिए छात्रों की अधिकतम संख्या, अध्यापकों की शैक्षणिक योग्याताएं व बायोडाटा, सलाहकार का बायोडाटा व अनुभव, छात्रों की संख्या के अनुपात के साथ कोचिंग क्षेत्र का ब्योरा
- सुविधा के तौर पर फर्नीचर, बैच/मेज इत्यादि, प्रकाश की व्यवस्था, पीने योग्य स्वच्छ जल, पुरूष और महिला के लिए अलग-अलग शौचालय, अग्नि सुरक्षा उपाय, प्राथमिक चिकित्सा, पार्किंग स्थल, पठन कक्ष या पुस्तकालय, पंजीकरण प्रमाण पत्र की अवधि तीन वर्ष की अवधि के लिए होगी।

क्या कहते है स्कूल एसोसिएशन

प्रोग्रेसिव प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के प्रधान अनिल कौशिक ने बताया कि बहुत ही कम समय में जिलभर में बहुत सारे कोचिंग सेंटर खुल गए है, जिनमें से कई तो पंजीकृत भी नहीं है। उनमें से कोई भी सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देश का पालन नहीं कर रहा है। ऐसे भी कोचिंग सेंटर है जो अपने परिसर में हॉस्टल भी चला रहे है। इन कोचिंग संस्थानों के पास न तो फायर एनओसी है और न ही सरकार के दिशानिर्देश के अनुसार उचित बुनियादी ढांचा है। इसके अलावा 12 वर्ष की आयु के छात्रों को इन संस्थानों में नामांकित किया जा रहा है और प्रतिदिन सुबह सात बजे से शाम सात बजे तक कक्षाएं लगाई जा रही है। इनमें से कुछ कोचिंग संस्थानों ने अपने छात्रों को वैन की सुविधा भी प्रदान की है। यह वाहन सुरक्षित स्कूल वाहन मापदंडों को पूरा नहीं करती। ऐसे में अनहोनी से बचने के लिए ऐसे अनाधिकृत कोचिंग सेंटरों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करते हुए बंद करवाएं जाएं। यह मांग एसोसिएशन की ओर से उन्होंने 14 जून को जिला प्रशासन व जिला शिक्षा अधिकारी के समक्ष भी रखी थी। डीईओ को मांग पत्र देते वक्त एसोसिएशन से जुड़े राजकुमार यादव एडवोकेट, तेजवीर यादव, कमल संघी, सियाराम यादव व अतरसिंह यादव मौजूद रहे।

कनीना-अटेली मार्ग रेलवे फाटक पर आरओबी निर्माण कार्य के चलते गांवों के लिंक मार्गों से गुजर रहे वाहन

स्टेट हाईवे नंबर 24 पर बढ़ते यातायात दबाव के कारण कनीना में बाइपास की अहम जरूरत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

महेंद्रगढ़-कोसली-रेवाड़ी के लिए लाइफ लाइन समझे जाने वाले स्टेट हाईवे नंबर 24 पर वाहनों के लगातार बढ़ते दबाव के कारण बाईपास की अहम जरूरत हो गई है। इतना ही नहीं, कनीना-अटेली-नारनौल मार्ग स्थित रेलवे फाटक पर आरओबी रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य शुरू होने के बाद इस रूट से गुजरने वाले हल्के व भारी वाहनों को गांवों के लिंक मागार्ें से होकर निकलना पड़ रहा है। जिससे उन्हें लंबी दूरी तय करने के साथ-साथ अधिक समय व्यतीत हो रहा है। पुल निर्माण कार्य करीब दो वर्ष में पूरा होने का अनुमान है। इस अवधि के दौरान वाहन चालक वैकल्पिक मार्गों से ही आवागमन करेंगे। इस रूट से आने-जाने वाले वाहन चालक एनएच 152-डी का उपयोग करने लगे हैं। जिसके चलते कनीना से बूचावास तक अधिक संख्या में वाहन गुजर रहे हैं। जिससे सड़क हादसों का भी अंदेशा बना हुआ है। अटेली एवं नारनौल की ओर से कनीना आने वाले भारी वाहन मोहनपुर मोड़ या नई आनाज मंडी चेलावास से ककराला की छह किलोमीटर दूरी तय कर आरयूबी से निकलकर पहुंच रहे हैं, जबकि हल्के वाहन चेलावास से उन्हाणी होकर मुख्यमार्ग पर चढ़ रहे हैं।

प्रदेश की भजपा सरकार की ओर से इस स्टेट हाईवे को अपग्रेड पर फोरलेन करने की घोषणा की गई थी। हलका विधायक सीताराम यादव की ओर से भी सदन में इस मुद्दे को उठाया गया था, लेकिन कार्य सिरे नहीं चढ़ सका। कनीना में बाईपास निर्माण के लिए प्रदेश सरकार के भाजपा के सहयोगी दल जेजेपी की ओर से शीघ्रता से कार्य करवाने का आश्वासन दिया गया था। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला के पिता एवं जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अजय सिंह चौटाला ने बीते समय कनीना में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में कनीना शहर में बाईपास के लिए डीपीआर तैयार हो जाने की बात कही थी। इसके अलावा रामपुरी डिस्ट्रीब्यूटरी को अंडरग्राउंड करने तथा उसके साथ-साथ सड़क निर्माण कर मिनी बाईपास की सुविधा देने की बात कही गई थी। कहने का मतलब घोषणाएं पूरी व नतीजा वहीं ढाक के तीन पात। शासन-प्रशासन की ओर से कोई ऐसा कार्य नहीं किया गया जिससे यातायात सुगम हो सकें।

कनीना। स्टेट हाईवे नम्बर 24 से गुजरते वाहन। फोटो : हरिभूमि

विधायक जी की सुने...

इस संदर्भ में अटेली के हलका विधायक सीताराम यादव ने बताया कि महेंद्रगढ़-कनीना-कोसली स्टेट हाईवे को फोरलेन बनाने व कनीना में बाईपास बनाने का मामला सरकार के पास विचाराधीन है। इसका बीते समय एक सर्वे भी करवाया गया था। जिसकी मंजूरी मिलने के बाद सुविधा होगी। कनीना-अटेली मार्ग रेलवे लाइन पर आरओबी का कार्य शुरू किया गया है। लाइन के पूर्व दिशा में रेलवे स्टेशन तथा पश्चिम में कोई वैकल्पिक मार्ग नहीं होने से लिंक मार्ग ही आने-जाने का रास्ता है।

कोर्ट के कर्मचारी के साथ मारपीट करने वाला आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। निजामपुर के गांव ताजीपुर में सम्मन देने गए कोर्ट के कर्मचारी के साथ मारपीट करने व धमकी देने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना निजामपुर पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनकी पहचान तजीपुर निवासी बाबूलाल व कैलाश के रूप में हुई। आरोपितों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। अदालत में बतौर प्रोसेस सर्वर नौकरी करने वाले प्रवीण कुमार वासी पंचकूला ने थाना निजामपुर में शिकायत दी कि वह 10 जुलाई को एक केस के सिलसिले में सम्मन देने के लिए गांव ताजीपुर गया था। मौके पर मौजूद महिला ने सम्मन लेने से मना कर दिया। इस दौरान अंदर से बाबूलाल आया और उसको थप्पड़ मार दिया। तभी अंदर से उसका बेटा डंडा लेकर आया और कंधे पर मारा। जब वह दोनों बाहर की तरफ भागे तो पीछे से बाबूलाल ने कुल्हाडी से वार किया।

खेतों में शव मिलने से सनसनी

नारनौल। गांव गुवानी के खेतों में एक अधेड़ की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान करीब 48 वर्षीय अजय शर्मा के रूप में हुई है। जानकारी मुताबिक अजय शर्मा का परिवार कई सालों पहले दिल्ली में रहने लग गया था, लेकिन अजय शर्मा कुछ समय पहले वापस गांव में आकर अपने चाचा-ताऊ के पास रहने लगा था। बीती शाम को वह गांव की नहर के पास खेतों में मृतावस्था में मिला। ग्रामीण अनिल कुमार ने बताया कि वह शाम को करीब चार बजे अपने खेतों में गया था, तब खेतों में एक व्यक्ति को लेटे हुए देखा था, लेकिन जब वह करीब डेढ़ घंटे बाद वापस लौटा, तब भी वह उसी अवस्था में मिला, जिस कारण उसे कुछ शक हुआ और टटोल कर देखा, जिस पर उसने कोई हलचल नहीं की। इसके उपरांत अजय के परिजनों को गांव में सूचना दी और वह मौके पर पहुंचे। बाद में पुलिस को भी सूचित किया।

महेंद्रगढ़। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया बाइक चोरी का आरोपित। फोटो : हरिभूमि

चोरी की बाइक सहित आरोपित गिरफ्तार

महेंद्रगढ़। वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देने वालो के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सीआईए की पुलिस टीम ने खैरोली क्षेत्र से चोरी की मोटरसाइकिल सहित एक आरोपित को गिरफ्तार किया। आरोपित की पहचान राजस्थान के पचेरी थाना के गांव श्योपुरा निवासी अशोक के रूप में हुई। आरोपित के खिलाफ थाना सदर में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया और बाइक को जब्त कर लिया। आरोपित को न्यायालय में पेश किया गया। सीआईए महेंद्रगढ़ की टीम गस्त के दौरान बस अड्डा निम्बी चौक पर मौजूद थी। इसी समय टीम को गुप्त सूचना मिली कि अशोक कुमार चोरी की मोटरसाईकल सहित खैरोली बणी में मंदिर के आगे सीमेंट की कुर्सी पर बैठा हुआ है और किसी की इंतजार कर रहा हैं। अगर तुरंत रेड किया जाए तो चोरी की मोटरसाईकल सहित काबू आ सकता है। इस सूचना पर टीम ने बताए हुए स्थान पर पहुंचकर देखा तो एक नौजवान युवक वहां पर बैठा हुआ दिखाई दिया, जिसके पास में एक मोटरसाईकल खड़ी दिखाई दी। जिसको काबू करके नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम अशोक कुमार बताया। अशोक कुमार से मोटरसाईकल के कागजात के बारे में पूछा तो वह कोई कागजात पेश नही कर सका। मोटरसाईकल के इंजन व चेसिस नम्बर से चैक किया तो यूपी मथुरा के थाना सदर बजार में चोरी का मामला दर्ज हुआ मिला। आरोपित के खिलाफ बीएनएस की धारा 317 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया।

प्रकृति से प्रेम है तो वन सेवा में ऑफिसर अच्छा करियर विकल्प

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

भारतीय वन सेवा का पद भारत की अखिल भारतीय सेवाओं में से एक है। अगर आपका भी सपना है कोई अच्छे पद पर सरकारी जॉब करने का तो आपके लिए आईएफएस एक बढ़िया ऑप्शन हो सकता है। आईएफएस एक ऐसी सरकारी जॉब है जिसमे आप अपना बेहतरीन करियर बना सकते हो। यह लेख पड़ने के बाद आप यह अच्छे से समज सकेंगे कि आईएफएस ऑफिसर कैसे बने और आईएफएस का फुल फोर्म क्या होता है। आईएफएस बनने के लिए क्या क्या योग्यता होनी चाहिए। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी। हालांकि यह करियर बनाने का एक बेहतरीन क्षेत्र है।

क्या होता है इंडियन फॉरेस्ट सर्विस

इंडियन फॉरेस्ट सर्विस (आईएफएस) जिसे हिंदी में भारतीय वन सेवा के पद के नाम से जाना जाता है और यह भारत की अखिल भारतीय सेवाओं में से एक है। जैसे कि आईएसएस, आईपीएस और आईएफएस। आईएफएस को 1966 में अखिल भारतीय सेवा अधिनियम 1951 के तहत भारत सरकार द्वारा गठित किया गया। जैसे कि नाम से ही पता चलता है फॉरेस्ट ऑफिसर का काम जंगलों की देखरेख करने से लेकर जंगलों की अवैध कटाई पर रोक लगाने का होता है। अब तो वन विभाग सेक्टर में काफी बदलाव भी आ रहे है जैसे कि इसमें बहुत ज्यादा नौकरियां निकलने लगी है और वन विभाग में अफसर होना कोई छोटी बात नहीं है और इसमें सैलरी पैकेज भी काफी अच्छा रहता है। आईएफएस यानी कि इंडियन फोरेस्ट सर्विस की नियुक्ति एक वन रक्षक के रूप में होती है जिसमे आपको देश की सेवा करने का मौका भी मिलता है। आईएफएस की जॉब में एक शानदार भविष्य की कामना कर सकते है।

जरूरी योग्यताएं

आईएफएस बनने के लिए आपको सबसे पहले इसके एग्जाम की पतैयारी पर पूरा ध्यान देना होगा। अगर आप नहीं जानते है कि आईएफएस की तैयारी कैसे करे तो घबराइए मत हम आपको पूरा प्रोसेस शेयर करेंगे। आईएफएस के पद पर कार्यरत होने के लिए आपको आईएफएस का एग्जाम पास करना जरुरी होता है इसके बाद ही हम इस पद के अधिकारी बन सकते है। आईएफएस के लिए क्या योग्याएं होनी चाहिए चलो जानते है।

आयु योग्यता

अगर आप इंडियन प्रेस ऑफिसर बनना चाहते हैं तो आपकी न्यूनतम आयु सीमा 21 वर्ष और अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष होनी अनिवार्य है। इसके अलावा पिछड़ा वर्ग जैसे ओबीसी , एससी, एसटी और ईडब्ल्यूएस आदि कैंडिडेट के लिए आयु सीमा में छूट का प्रावधान मिलता है।

स्नातक की डिग्री जरूरी

फोरेस्ट विभाग में ऑफिसर बनने के लिए शैक्षिक योगयता में उमीदवार को किसी एक विषय में स्नातक डिग्री होना जरुरी है। जैसे कि गणित, जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, पशु चिकित्सा विज्ञान, पशुपालन इंजीनियरिंग, वानिकी, वनस्पति विज्ञान, कृषि सांख्यिकी अदि में किसी भी सब्जेक्ट में ग्रेजुएट है तो आप फोरेस्ट ऑफिसर बनने के लिए अप्लाई कर सकते हो।

पास करनी होगी परीक्षा

भारतीय वन अधिकारी बनने के लिए आपको तीन चरणों को क्लियर करना होता है जिसके बाद आईएफएस बन सकते हैं।

प्राथमिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा, साक्षात्कार

इन तीनों राउंड में से सबसे पहले आपका प्री एग्जाम होता है जो ऑब्जेक्टिव टाईप रहता है और प्री एग्जाम को पास कर लेने के बाद आप मेन्स एग्जाम में बैठने के योग्य होते हैं। और मुख्य परीक्षा आपकी सब्जेक्टिव यानी कि इसमें विस्तार से प्रश्न पूछे जाते हैं। प्री और मेन्स परीक्षा पास कर लेने के बाद आखिर में कैंडिडेट्स को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है जो के फाइनल स्टेप होता है। इस इंटरव्यू को क्लीयर कर लेने के बाद कैंडिडेट्स को फाइनली ट्रेनिंग के लिए भेजा जाता है।

मुख्य काम

वन विभाग और वन मंत्रालय की जानकारी के लिए जंगल के पेड़ पौधों, जीव जंतुओं से जुड़ा सर्वे करना, कागजी कार्यवाही करना और रिपोर्ट तैयार करना। भेड़, बकरियों व अन्य सभी पालतू जानवरों को वन भूमि पर चरने से रोकना। घायल जीव जंतुओं और पक्षियों को चिकित्सा सहायता देना या उन्हें ऐसे जगह पहुंचाना जहां वे ठीक हो सके और सुरक्षित रहें। जंगल में अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाना ताकि जंगल का विकास हो सके। शिकारियों को शिकार ना करने देना, अवैध रूप से काटी गई लकड़ी या शिकार किए गए जानवरों या जानवरों के अंगों को जब्त करना।

सैलरी

आईएफएस अफसर के बारे सभी जानकारी जानने के बाद अब हमारे मन में आखरी और महत्वपूर्ण सवाल होता है कि आखिर इतनी मेहनत करने के बाद आईएफएस की सैलरी क्या होगी। तो हम आप को बता दें कि आईएफएस अफसर को सैलरी काफी अच्छी मिलती है और उसमे समय समय पर इजाफा भी होता है। आईएफएस के पद में 15600 रु प्रति माह से लेकर 40000 रु प्रति माह वेतन देह होता है और 5400 रु ग्रेड पे भी मिलती है। आईएफएस के पद में कई सारे भत्ते अदि भी मुहैया कराये जाते हैं।

सभी एयरलाइन्स कंपनियां करती नियुक्तियां

बेहतर पद और अच्छी सैलरी की चाहत होती पूरी

आसमान को छूना पसंद है तो एयर होस्टेस बन चमकाएं अपना करियर

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

लड़कियों के लिए सबसे बेहतर विकल्प

आम सभी को अपने सपने के बारे में तो पता रहता है, कि हमें आगे बड़े होकर क्या बनना है ,कोई डॉक्टर बनना चाहता है तो कोई इंजीनियर, टीचर या फिर एयर होस्टेस बनना चाहता है। किंतु हमें समय पर सही गाइडलाइंस ना मिलने के कारण कई बार हमारे सपने बीच में अधूरे या फिर हम अपने सपनों के लिए सही राह का चयन नहीं कर पाते। जिससे हम ज्यादातर रास्ते भटक जाते हैं। कई बार ऐसा होता है कि समय होता है तो सामने सही रास्ते कौन से हैं। यह पहचान पाना बहुत मुश्किल हो जाता है, जब समय हाथ से निकल जाता है तो हम उस परिस्थिति में हम स्वयं को कोसने में लग जाते हैं। करियर के लिए समय पर सही गाइडलाइंस मिलना बेहद जरूरी है। बहुत से ऐसे स्टूडेंट्स है जो एयर होस्टेस बनना चाहते हैं। यह आर्टिकल उन सभी स्टूडेंट्स के लिए है जो आगे अपना करियर एयर होस्टेस में बनाना चाहते हैं। आइए इसी के साथ हम अपने आर्टिकल की शुरुआत करते हैं।

एयर होस्टेस किसे कहते हैं

एयर होस्टेस नाम सुनते ही इतना अंदाजा तो हम लगा ही सकते हैं की हवाई यात्रा से जुड़े काम। एयर हॉस्टेस वह होते हैं जो एरोप्लेन में हवाई यात्रा के दौरान यात्रीगण को सुविधा और इससे रिलेटेड बहुत सी जानकारी सभी यात्रियों को देते हैं बहुत सी एयरलाइन्स कंपनियां एरोप्लेन में एयर होस्टेस नियुक्त करती है। हवाई जहाज में हवाई यात्रा के दौरान सभी यात्रियों को हैंडल करने का काम सारा एयर होस्टेस का ही होता है। एयर होस्टेस का काम एरोप्लेन में यात्रा के दौरान सभी यात्रियों के सामानों का सही जगह में रख रखाव, रजिस्ट्रेशन के हिसाब से यात्री को उनकी सही सीट देना, सीट बेल्ट कैसे लगाना है? इसके साथ साथ खाने पीने की सुविधा यह सभी काम एयर होस्टेस द्वारा की जाती है। ताकि किसी भी यात्री को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना ना करना पड़े। एरोप्लेन में यात्रियों को सुविधा प्रदान करने के लिए बनने वाली एयर होस्टेस केवल लड़कियां ही होती है। और जो लड़के एरोप्लेन में यात्रियों के लिए सुविधा प्रदान करते हैं उन्हें केबिन क्रू कहते हैं।

एयर होस्टेस के लिए शैक्षणिक योग्यताएं

जो उम्मीदवार एयर होस्टेस बनने का सपना देख रहे होते हैं उन उम्मीदवारों को सबसे पहले एयर होस्टेस बनने के लिए जरूरी योग्यता को पूरा करना होता है उसके पश्चात ही उन्हें एयर होस्टेस बनने का मौका मिलता है। एयर होस्टेस बनने के लिए क्या करना पड़ता है ? आपको निम्नलिखित चरण बद्ध तरीके से बताया गया है।

- एयर होस्टेस के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी बोर्ड से बारहवीं कक्षा पास करना अनिवार्य है।
- एयर होस्टेस के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार आर्ट्स, कॉमर्स या साइंस किसी भी सब्जेक्ट से हो। 12वीं की कक्षा पास होनी चाहिए।
- उम्मीदवार मान्यता प्राप्त किसी भी विश्वविद्यालय से किसी भी सब्जेक्ट में ग्रेजुएशन की शिक्षा लेकर पास की हो।
- इंग्लिश और हिंदी दोनों भाषा का आना अति आवश्यक है।

योग्यताएं

- आवेदन करता की आयु कम से कम 18 वर्षों से अधिक से अधिक 25 वर्ष होनी चाहिए।
- उम्मीदवार की कम्यूनिकेशन स्किल अर्थात बोलचाल का सही ढंग होना चाहिए।
- उम्मीदवार शारीरिक व मानसिक दोनों रूपों से स्वच्छ और स्वस्थ होना आवश्यक है।
- आवेदन करता की पॉजिटिव सोच के साथ-साथ बॉडी लैंग्वेज अच्छी होनी चाहिए।
- उम्मीदवार की ऊंचाई कम से कम 157.5 सेंटीमीटर होनी चाहिए।
- उम्मीदवार की आंखों में किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं होनी चाहिए उनके आंखों का विजन 6/6 होनी चाहिए।

तीन प्रकार के कोर्स

1. **सर्टिफिकेट कोर्स** :- जो अभ्यार्थी कम समय में एयर होस्टेस बनना चाहते हैं वह सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। जिसमें आपको सर्टिफिकेट दी जाएगी। इसे आप 12वीं पास करने के बाद कर सकते हैं। यह कोर्स 1 साल का होता है।
2. **डिप्लोमा कोर्स** :- यह कोर्स करने के लिए अभ्यार्थी को 12वीं पास करना आवश्यक है। जिसके पश्चात वे डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं जिसमें उन्हें डिप्लोमा की डिग्री दी जाएगी। ग्रेजुएशन पास अभ्यार्थी डिप्लोमा कोर्स करना चाहते हैं तो उनके लिए पीजी डिप्लोमा कोर्स होती है। पीजी डिप्लोमा कोर्स केवल ग्रेजुएशन पास अभ्यर्थियों के लिए हैं।
3. **डिग्री कोर्स** :- यह कोर्स उन अभ्यर्थियों के लिए हैं जो एयर होस्टेस में डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं। यह डिग्री कोर्स 3 साल की होती है। यह कोर्स अभ्यार्थी 12वीं पास करने के पश्चात कर सकते हैं।

ऐसे बनें एयर होस्टेज

- एयर होस्टेस बनने के लिए अभ्यार्थी को सर्वप्रथम मान्यता प्राप्त बोर्ड से किसी भी सब्जेक्ट में 12वीं कक्षा पास करनी होगी।
- या ग्रेजुएशन प्राप्त अभ्यर्थी को मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन की परीक्षा पास करनी होगी।
- अभ्यार्थी को ऐसे इंस्टिट्यूट मे एडमिशन लेना होगा जहां एयर होस्टेस कोर्स की सारी सुविधा दी जाए।
- 12वीं पास अभ्यर्थीयों को स्वयं निर्णय लेने होगें। वह एयर होस्टेस बनने के लिए डिप्लोमा, डिग्री या सर्टिफिकेट कोर्स में से किस कोर्स मे एडमिशन लेना चाहते हैं।
- एडमिशन के बाद अभ्यार्थी को अपने कोर्स में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। और अच्छे अंको से पास आउट भी होना होगा।
- अभ्यार्थी अब अपना आवेदन एयर होस्टेज की जॉब के लिए कर सकते हैं।
- बहुत सारी बड़ी-बड़ी एयरलाइंस की कंपनियां एयर होस्टेस नियुक्त करती है। समय-समय पर कंपनी द्वारा नोटिफिकेशन जारी की जाती है।
- उसके पश्चात आप एयर होस्टेस के लिए रिक्वायरमेंट के हिसाब से अभ्यार्थी अपना आवेदन कर सकते हैं।
- अभ्यार्थियों के आवेदन सेलेक्शन के बाद एयरलाइंस कंपनियों द्वारा रिटन टेस्ट और ऑफिसर द्वारा डिस्कशन की जाती है। फिर सिलेक्टेड अभ्यार्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है।
- इंटरव्यू में सिलेक्शन किया जाता है।
- सिलेक्शन के पश्चात अभ्यर्थियों को एयरलाइंस द्वारा 6 महीनों के लिए ट्रेनिंग में भेजा जाता है।
- उन्हें ट्रेंड अभ्यार्थियों को एयर होस्टेस के पद में नियुक्त किया जाता है। इसके पश्चात उन्हें एरोप्लेन मे भेज दिया जाता है।

कितना मिलता वेतन

एयर होस्टेस की सैलरी एयरलाइंस कंपनी के हिसाब से होती है। सीनियर एयर होस्टेस की सैलरी थोड़ी अधिक होती है। सीनियर एयर होस्टेस के पास अनुभव जबकि जूनियर एयर होस्टेस फ्रेशर होते हैं। कई एयरलाइंस कंपनी में एयर होस्टेस की सैलरी 25000 से 40000 होती है। तो कई एयरलाइंस में इससे कम तो कई एयरलाइंस कंपनी में इससे अधिक होती है। इंटरनेशनल एयरलाइंस कंपनी में एयर होस्टेस की सैलरी प्रतिमाह में कम से कम 100000 और अधिक से अधिक 200000 होती है।

कानून परिवर्तनों का प्रभाव: नई पीढ़ी के लिए एक महत्वपूर्ण अध्ययन

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

भारत की न्यायपालिका, जो संविधान के अधीन देश के कानूनों को लागू करती है, समाज में स्थायित्व और न्याय को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। समय के साथ, न्यायपालिका में कई परिवर्तन और सुधार हुए हैं ताकि इसे अधिक प्रभावी और न्यायपूर्ण बनाया जा सके। आज का युग डिजिटल क्रांति का है, जिसमें इंटरनेट और तकनीकी विकास ने हमारे जीवन को बदल दिया है। यह परिवर्तन हमारे लिए अनेक अवसर लाया है, लेकिन इसके साथ ही साइबर अपराधों की चुनौतियां भी आई हैं। ऐसे में, एक सुरक्षित और जिम्मेदार डिजिटल वातावरण का निर्माण अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। इसके लिए सामुदायिक और सरकारी प्रयासों का समन्वय अत्यंत आवश्यक है।

कानूनों की जानकारी होना जरूरी

2 जुलाई, 2024 को भारतीय न्यायपालिका में कुछ महत्वपूर्ण कानून परिवर्तन लागू हुए, जिनका अध्ययन नई पीढ़ी के लिए आवश्यक है। ये परिवर्तन न केवल न्यायिक प्रक्रियाओं में सुधार लाने में सहायक होंगे, बल्कि वे नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों की समझ को भी सुदृढ़ करेंगे।

कानूनी प्रक्रिया में डिजिटल परिवर्तन : पहला बड़ा परिवर्तन न्यायिक प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण से संबंधित है। अब विभिन्न अदालतों में मामलों की फाइलिंग और सुनवाई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी की जा सकेगी। इससे न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता और तीव्रता आएगी। डिजिटल सिस्टम की मदद से न्यायिक प्रणाली में भ्रष्टाचार और कागजी कार्यवाही में देरी को कम किया जा सकेगा। नई पीढ़ी को इस डिजिटल पहल की जानकारी होना आवश्यक है ताकि वे कानून के नए रूप से जुड़ सकें और उसका प्रभावी उपयोग कर सकें।

विवाद निवारण के वैकल्पिक उपाय : न्यायपालिका ने वैकल्पिक विवाद निवारण के तरीकों को अधिक महत्व दिया है। इसमें मध्यस्थता, सुलह और लोक अदालतें शामिल हैं। ये उपाय अदालती मामलों के बोझ को कम करने और त्वरित न्याय प्रदान करने में मदद करते हैं। नई पीढ़ी को एडीआर की प्रक्रियाओं और उनके लाभों के बारे में जागरूक होना चाहिए, जिससे वे कानूनी विवादों को तेजी से और सस्ते में सुलझा सकें।

महिलाओं और बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा : 2 जुलाई के परिवर्तनों में महिलाओं और बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा और बच्चों के यौन उत्पीड़न के मामलों में त्वरित कार्रवाई और कठोर दंड का प्रावधान किया गया है। यह परिवर्तन समाज में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को बढ़ाने का प्रयास करता है। युवा पीढ़ी को इन कानूनों की जानकारी होना आवश्यक है ताकि वे अपने अधिकारों के प्रति सचेत रहें और समाज में सुरक्षित वातावरण बना सकें।

पर्यावरण संरक्षण कानून: पर्यावरण संरक्षण के लिए नए और सख्त कानून लागू किए गए हैं। अब उद्योगों और व्यक्तियों पर पर्यावरणीय मानकों का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पर्यावरणीय अपराधों के लिए दंड भी बढ़ा दिए गए हैं। ये कानून आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

न्यायिक पारदर्शिता और उत्तरदायित्व

न्यायपालिका में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व बढ़ाने के लिए नए प्रावधान जोड़े गए हैं। जजों की नियुक्ति और न्यायिक फैसलों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न निगरानी तंत्र स्थापित किए गए हैं। इससे न्यायपालिका में विश्वास और जनता की न्याय व्यवस्था में भागीदारी बढ़ेगी।

न्यायपालिका में 2 जुलाई को हुए कानून परिवर्तनों का अध्ययन नई पीढ़ी के लिए आवश्यक है। इन परिवर्तनों के माध्यम से, कानून और न्याय प्रणाली को अधिक सुदृढ़, पारदर्शी और उत्तरदायी बनाया गया है। नई पीढ़ी को इन परिवर्तनों के महत्व को समझना चाहिए ताकि वे कानून का सही उपयोग कर सकें और एक न्यायपूर्ण समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकें। यह समझ न केवल उन्हें बेहतर नागरिक बनाएगी बल्कि देश की प्रगति में भी सहायक सिद्ध होगी। आज की युवा पीढ़ी, जो तकनीकी रूप से सशक्त और सूचनाओं से परिपूर्ण है, भारत के भविष्य की नींव है। जागरूकता का अर्थ केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं है, बल्कि जानकारी को समझना, उसके आधार पर सोच बनाना और उसे समाज के भले के लिए उपयोग करना है। भारत के विकास के लिए नई पीढ़ी की जागरूकता और उसकी सक्रिय भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। न्यायपालिका के इन सुधारों के प्रति जागरूकता और समझ नई पीढ़ी के लिए एक नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी है, जो उन्हें भविष्य में एक जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद करेगी। डिजिटल दुनिया में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केवल व्यक्तिगत सतर्कता ही पर्याप्त नहीं है; सामुदायिक प्रयास और सरकारी पहल भी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सामुदायिक जागरूकता और सरकारी उपाय न केवल लोगों को साइबर खतरों से बचने में मदद करते हैं, बल्कि उन्हें एक सुरक्षित और जिम्मेदार डिजिटल नागरिक बनने में भी सक्षम बनाते हैं। इस खंड में हम विस्तार से चर्चा करेंगे कि कैसे सामुदायिक प्रयास और सरकारी पहल साइबर अपराधों को कम करने और डिजिटल सुरक्षा को बढ़ावा देने में सहायक हो सकते हैं।

साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान: साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए सामुदायिक संगठनों, स्थानीय समूहों, और शैक्षिक संस्थानों को मिलकर अभियान चलाने चाहिए। ये अभियान कार्यशालाएं, सेमिनार, और सोशल मीडिया अभियानों के माध्यम से समुदाय को साइबर सुरक्षा की बुनियादी जानकारी और सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार के बारे में शिक्षित कर सकते हैं।

उदाहरण: साइबर सुरक्षा कार्यशालाएं:स्थानीय स्कूलों और कॉलेजों में साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों द्वारा कार्यशालाएं आयोजित की जा सकती हैं, जहाँ छात्रों को सुरक्षित पासवर्ड प्रथाओं, फिशिंग के खतरों, और डेटा संरक्षण के तरीकों के बारे में जानकारी दी जाए। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन्स या स्थानीय पुस्तकालयों में समुदाय के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जा सकते हैं, जहाँ उन्हें ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने और सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार के बारे में सिखाया जाए।

साइबर सुरक्षा वॉलंटियर कार्यक्रम: साइबर सुरक्षा वॉलंटियर कार्यक्रम स्थानीय स्तर पर समुदायों को साइबर सुरक्षा के बारे में शिक्षित करने के लिए एक उत्कृष्ट पहल हो सकते हैं। वॉलंटियर्स, जिन्हें साइबर सुरक्षा में प्रशिक्षण दिया गया हो, वे अपने समुदाय में जागरूकता बढ़ाने, सुरक्षित प्रथाओं को बढ़ावा देने और साइबर खतरों की पहचान करने में सहायता कर सकते हैं।

उदाहरण: कॉल सेंटर सहायता: वॉलंटियर्स एक हेल्पलाइन स्थापित कर सकते हैं जहाँ लोग साइबर सुरक्षा से संबंधित प्रश्न पूछ सकते हैं और तुरंत सलाह प्राप्त कर सकते हैं। वॉलंटियर्स स्कूलों में जाकर छात्रों को ऑनलाइन खतरों के बारे में शिक्षित कर सकते हैं और सुरक्षित इंटरनेट उपयोग की आदतों को सिखा सकते हैं।

सामुदायिक डिजिटल सुरक्षा कार्यक्रम: स्थानीय समुदायों द्वारा डिजिटल सुरक्षा कार्यक्रमों का आयोजन किया जा सकता है, जिसमें सामुदायिक सदस्य एक-दूसरे के साथ जानकारी साझा करें और साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श करें। यह पहल सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देती है और साइबर खतरों के बारे में जागरूकता फैलाने में मदद करती है।

उदाहरण: साइबर सुरक्षा चर्चाएँ: सामुदायिक केंद्रों में साइबर सुरक्षा से संबंधित चर्चाएँ और सवाल-जवाब सत्र आयोजित किए जा सकते हैं। डिजिटल सुरक्षा उपकरणों और तकनीकों पर कार्यशालाएं, जैसे एंटीवायरस सॉफ्टवेयर का उपयोग और डेटा एनक्रिप्शन, समुदाय को सुरक्षित रखने में मदद कर सकते हैं।

साइबर सुरक्षा कानून और नीतियाँ : सरकार को साइबर सुरक्षा के लिए कड़े कानून और नीतियाँ बनानी चाहिए जो साइबर अपराधों से प्रभावी ढंग से निपट सकें। ये कानून व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा, साइबर अपराधों के खिलाफ सजा, और ऑनलाइन गोपनीयता की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहायक होते हैं।

खबर संक्षेप

नारनौल। हरियाणा स्कूल में छात्र को सम्मानित करते हुए।

हरियाणा स्कूल का छात्र ईशु बंसल बना चार्टर्ड अकांटेंट

नारनौल। मोहल्ला चौधरीयान स्थित हरियाणा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शुक्रवार को विद्यालय प्रांगण में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में छात्र ईशु बंसल पुत्र हुकमचंद बंसल को चार्टर्ड अकांटेंट (सीए) बनकर विद्यालय एवं अपने माता-पिता का नाम रोशन करने पर सम्मानित किया गया।

महेंद्रगढ़। पौधरोपण करते स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

बीएनडी किड्जी में बच्चों ने किया पौधरोपण

महेंद्रगढ़। बीएनडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल खातोदड़ा में चैयरमेन विजयपाल यादव ने पौधरोपण किया। विद्यार्थियों ने रोपित वृक्षों को पानी से सींचकर उनकी उचित देखरेख का संकल्प लिया। वृक्षारोपण के दौरान विद्यालय के चेयरमैन विजयपाल यादव ने बताया कि विद्यालय को हरा भरा बनाने के लिए विद्यालय परिसर में अधिक से अधिक वृक्ष लगाए जाएंगे।

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते स्कूल स्टॉफ सदस्य।

आरआसीएम के छात्रों का सराहनीय प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। कनीना स्थित आरआसीएम पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने खंडस्तरीय प्रतियोगिताओं में सराहनीय प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। गौरतलब है कि लिगल लिटरैसी प्रोग्राम की खंडस्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा हैं। जिसमे खंड के सभी सरकारी व गैर-सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

ग्रीवेंस की बैठक महेंद्रगढ़ लघु सचिवालय में आयोजित करवाने की मांग

समाधान शिविर में विभिन्न मांगों को लेकर सीएम के नाम सौंपा

- कई सालों से महेंद्रगढ़ की जनता विकास कार्यों के लिए तरस रही हैं : पाटोदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

विभिन्न संगठनों व अधिवक्ताओं ने ने समाधान शिविर में मुख्यमंत्री के नाम एक लिखित ज्ञापन नायब तहसीलदार रघुबीर सिंह को सौपा। वक्ताओं ने बताया है कि महेंद्रगढ़ जिले ने प्रदेश में भाजपा सरकार बनाने पर इस जिले ने पूरा समर्थन दिया है, लेकिन महेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के 10 सालों में 10 विकास कार्य भी नहीं हो पाए हैं। जिसके चलते शहर व क्षेत्र पर पिछड़ेपन का दाग लगा हुआ है।

अगर सरकार विकास कार्यों को चुनावों से पहले पूरा करती है तो भाजपा सरकार विधानसभा चुनाव में फिर से सरकार बना सकती हैं। इसके अलावा उन्होंने ग्रीवेंस की बैठक महेंद्रगढ़ लघु सचिवालय में आयोजित करवाने की मांग की, ताकि क्षेत्र के लोगों को नारनौल में शिकायत लेकर दर-दर की ठोकरें न खानी पड़े।

ज्ञापन में यह रखी मांग : महेंद्रगढ़ को जिला मुख्यालय बनाने की मांग, बिजली विभाग का डिविजनल स्टोर, महिला थाना परिसर, नपा महेंद्रगढ़ को नगर परिषद बनाना, शहर के चारों तरफ फोर लाइन व बाईपास बनाया जाए ताकि जाम से छुटकारा पाया जा सके, जाट पाली सेंट्रल यूनिवर्सिटी में मेडिकल कॉलेज खोला जाएं, महेंद्रगढ़ में हरियाणा राज्य परिवहन का सब-डिपो को जल्दी चालू किया जाए और ड्राइवर प्रशिक्षण ट्रेनिंग के लिए बड़ी कार्यशाला खोली जाए, सभी जिलों के ट्रेनिंग स्कूलों में अलग-अलग सभी प्रकार की सुविधाएं मिली हुई है जो की महेंद्रगढ़ में नहीं है, अलवर-नारनौल-महेंद्रगढ़-दादरी व झज्जर कोसली कनीना नारनौल रेललाइन का निर्माण करवाया जाएं।

गांव खुडाना में आईएमटी खोली जाए, जिससे यहां के युवा रोजगार के लिए दर-दर ने भटके, महेंद्रगढ़ में एडीजे कोर्ट खोलना, ग्रामीण पावर हाउसों का अपग्रेड़ करना, महेंद्रगढ़ व माधोगढ़ किले का नवीनकरण करना, नागरिक अस्पताल में मरीजों को सभी प्रकार की सुविधा देना, महेंद्रगढ़ शहर को स्मार्ट सिटी बनाना, महेंद्रगढ़ में आयुर्वेदिक विद्यालय खोलना, महेंद्रगढ़ सैनिक प्रशिक्षण केंद्र खोलना, महेंद्रगढ़ रेलवे स्टेशन पर रेलवे का बड़ा कारखाना व वासिंग लाइन खोलना, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पास एक छोटा हवाई अड्डा खोलना, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय व बस स्टैंड पर पुलिस चौकी खोलना, लघुसचिवालय व महिला कॉलेज के पास फ्लाईओवर बनाना सहित अनेक मांग रखी गई।

महेंद्रगढ़। नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता रामनिवास पाटोदा, अधिवक्ता शमशेर सिंह, अशोक कुमार, नरेंद्र भारद्वाज, जयप्रकाश, अमित, पोहप सिंह, बिरेंद्र, गुगन, गजराज, राजपाल, सुधीर, अजीत, राजेंद्र, बीरसिंह, बलदेव, मुकेश, बंशीधर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

निबंध स्पर्धा में बच्चों ने प्रदर्शित की रचनाशीलता

नारनौल। विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में बीपीएस स्कूल कुलताजपुर रोड ने विंग वाइज एवं सैक्शन वाइज निबंध प्रतियोगिता स्मॉल फैमिली हैप्पी फैमिली विषय पर अंग्रेजी भाषा में आयोजित की गई। जिसमें दोनों विंग्स से लगभग 130 बच्चों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बढ़ती जनसंख्या जैसे महत्वपूर्ण विषय के प्रति बाल मन में संवेदनशीलता विकसित करना था। प्रतियोगिता इंग्लिश डिपार्टमेंट सदस्य राजेश कटारिया, मंजीत कौर, निर्मल सैनी, विंग कॉर्डिनेटर्स रेणु जैन व सुप्रिया दीक्षित ने व्यवस्थित व तैयारी के साथ आयोजित की गई। प्राथमिक स्तर पर कक्षा तीसरी लोट्स में कनक प्रथम, कुनाल द्वितीय, कक्षा तीसरी ट्युलिप में जय प्रथम, दक्ष जिंदल द्वितीय, समर्थ व नक्ष तृतीय, कक्षा चौथी लोट्स में मेहा प्रथम, मेहान व मानसी द्वितीय, यशिका व चिराग तृतीय, कक्षा चौथी ट्युलिप में आर्यन प्रथम, प्रिया द्वितीय, नव्या गुप्ता तृतीय, कक्षा पांचवीं ट्युलिप में मिशिका

नारनौल। विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

प्रथम, मिहिका द्वितीय व खुशी तृतीय, कक्षा पांचवीं लोट्स में भूमिका प्रथम, रिधिमा द्वितीय व वान्या तृतीय स्थान पर रही। माध्यमिक स्तर पर कक्षा छठी सुपर अचीवर्स में माही चौधरी प्रथम, दिविजा द्वितीय व नव्या तृतीय, कक्षा छठी ट्युलिप में डॉली प्रथम, हर्ष द्वितीय, रयान व हिमकेश तृतीय, कक्षा सातवीं सुपर अचीवर्स में आयुश प्रथम, विहान द्वितीय व यशु तृतीय, कक्षा सातवीं ट्युलिप में अंजलि प्रथम, प्रियांशी द्वितीय व रामा तृतीय, कक्षा आठवीं सुपर अचीवर्स एक में लवन्या प्रथम, चेश्ता द्वितीय व अवनी तृतीय, आठवीं सुपर अचीवर्स दो में अंतिमा प्रथम, काव्या चौधरी द्वितीय व रवजीत तृतीय, आठवीं ट्युलिप में अमरिंद्र प्रथम, यमन द्वितीय व अमन तृतीय स्थान पर रहे। सभी पॉजीशन हॉल्डर्स को संस्था वाइस चेयरमैन कमल संघी व सहसचिव डा. कर्ण चौधरी ने प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

सीए क्वालीफाई छात्रों के लिए हुआ सम्मान समारोह

नारनौल। सम्मान समारोह के दौरान चयनित विद्यार्थियों को सम्मानित करता विद्यालय प्रबंधन। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को सीए इंटर व फाइनल के क्वालीफाई विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में सीए फाइनल व इंटर के चयनित विद्यार्थियों अंकुर गुप्ता पुत्र विकास गुप्ता, वासु अग्रवाल पुत्र विवेक अग्रवाल, रितु बंसल पुत्री मुकेश बंसल, यशोवर्धन गुप्ता व संस्कृति गुप्ता पुत्री अनुज गुप्ता को सम्मानित किया गया। विद्यालय के डीन मनोज भारद्वाज व प्राचार्य सुनील यादव ने विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए बताया कि विद्यालय के होनहार विद्यार्थी कॉमर्स के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित हुए हैं। आप सभी विद्यार्थियों को भी इनसे प्रेरणा लेकर जीवन में प्रगति के पथ पर अग्रसर होना चाहिए। कॉमर्स हेड डा. मनोज गर्ग ने चयनित विद्यार्थियों के विद्यार्थी जीवन के बारे में सभी को जानकारी देते हुए कहा कि जीवन में अपना लक्ष्य लेकर आगे बढ़ने वालों के लिए कुछ भी असंभव नहीं है। विद्यालय डायरेक्टर पुष्करमल वर्मा ने कामयाब हुए विद्यार्थियों से विद्यालय में पौधारोपण करवाकर कहा कि जिस प्रकार पौधा पानी व खाद से बड़ा होकर वृक्ष बनता है, उसी प्रकार जीवन को मेहनत से कामयाबी की राह में आगे बढ़ना चाहिए। विद्यालय के चेयरमैन सुभाष चंद वर्मा, एमडी डा. हितेश वर्मा व निधि वर्मा ने विद्यार्थियों को इसी प्रकार मेहनत कर अपने लक्ष्य को प्राप्त कर देशसेवा करने के लिए प्रेरित किया।

लेखन प्रतियोगिता में मॉडर्न स्कूल की छात्राओं ने मारी बाजी

महेंद्रगढ़। सफल विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

महेंद्रगढ़। मॉडल संस्कृति स्कूल में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त कर स्कूल व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कोर्डिनेटर भूपेंद्र सैनी ने बताया कि मॉडल संस्कृति स्कूल में लिगल लिटरेसी विषय पर जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें हमारे स्कूल छात्रा रिया व खुशबू ने वाद-विवाद प्रतियोगिता में तथा पलक ने सुलेख लेखन में प्रथम, साहिल, भविष्य व निखिल ने क्वीज, वहीं योगेश ने डोकोमेंट्री फिल्म में द्वितीय तथा उमंग ने पोयम, हर्ष ने स्पीच व कशीश ने स्कीट में तृतीय स्थान प्राप्त कर जिला व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर स्कूल में एक सम्मान समारोह का आयोजन कर उपरोक्त सभी विद्यार्थियों को चेयरमैन सतन सिंह व प्राचार्य प्रदीप कुमार तंवर ने स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। चेयरमैन ने कहा कि प्रतियोगिता विद्यार्थियों के बीच प्रतिस्पर्धा की भावना उत्पन्न करती है जो हर किसी को अधिक जानने, अधिक सीखने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने के लिए प्रेरित करती है।

बीबीए द्वितीय सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम में सूरज कॉलेज का शानदार प्रदर्शन

शिवानी | पूजा | भावना

महेंद्रगढ़। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर द्वारा स्नातक स्तर की परीक्षा बीबीए द्वितीय सेमेस्टर के परिणाम में सूरज कॉलेज के विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। कॉलेज निदेशक संदीप प्रसाद ने बताया कि बीबीए द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा पूजा पुत्री विक्रम कुमार गांव रामलवास ने 84.50 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में तीसरा स्थान प्राप्त करते हुए कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी कोर्स की छात्रा शिवानी सोनी पुत्री कुलदीप सोनी निवासी महेन्द्रगढ ने 81.50 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में छठा एवं कॉलेज में द्वितीय स्थान प्राप्त किया एवं छात्रा भावना पुत्री छवि प्रकाश निवासी निम्बी ने 81.17 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में सातवां एंव कॉलेज में तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं कॉलेज के अधिकांश विद्यार्थी प्रथम श्रेणी के साथ उत्तीर्ण होने में सफल रहे। कॉलेज प्राचार्य डॉ. सुधाकर गुप्ता ने बताया कि कॉलेज का श्रेष्ठ परिणाम विद्यार्थियों के कठोर परिश्रम व शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने बताया कि कॉलेज के विद्यार्थी किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। कॉलेज निदेशक संदीप प्रसाद ने भी परिणाम पर खुशी जाहिर करते हुए विद्यार्थियों अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य के लिए कामना की।

यदुवंशी कॉलेज के बीकॉम का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

महेंद्रगढ़। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी द्वारा बीकॉम चौथे सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया, जिसमें यदुवंशी कॉलेज का परीक्षा परिणाम अत्यंत उत्कृष्ट रहा। बीकॉम चौथे सेमेस्टर की प्रिया पुत्री बाबूलाल में 81.1 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम स्थान हासिल किया। इसी प्रकार निशा शर्मा पुत्री विजय शर्मा ने 79.3 प्रतिशत अंक लेकर दूसरा, तमन्ना पुत्री पुरुषोत्तम ने 76.1 प्रतिशत अंक लेकर तीसरा, रौनक पुत्री आजाद सिंह ने 75 प्रतिशत अंक लेकर चौथा स्थान तो वही मुस्कान पुत्री राम नरेश और प्रिया पुत्री माडुराम ने 74.3 प्रतिशत अंक लेकर पांचवां स्थान हासिल किया। इस प्रकार यदुवंशी कॉलेज के विद्यार्थियों ने 70 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर परीक्षा परिणाम को शत-प्रतिशत में बदला। यदुवंशी कॉलेज के विद्यार्थियों ने अच्छे अंक लेकर न केवल अपना नाम रोशन किया बल्कि अपने माता-पिता और यदुवंशी कॉलेज का भी नाम रोशन किया है। यदुवंशी कॉलेज चेयरमैन पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनकी मेहनत की सराहना की और भविष्य में भी इस प्रकार के परिणाम प्राप्त करते रहने के लिए प्रेरित किया।

देवीलाल पार्क व कॉलेज कैंपस में किया पौधारोपण

महेंद्रगढ़। देवीलाल पार्क में पौधारोपण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

महेद्रगढ़। आरपीएस कॉलेज बलाना में एनएसएस की दो यूनिट के लगभग 200 विद्यार्थियों ने शहर के सार्वजनिक स्थानों पर काफी संख्या में पौधा रोपण कर शहर व क्षेत्र को हरा भरा बनाने के लिए जागरूकता अभियान चलाना। इस दौरान स्वयं सेवकों ने शहर के देवीलाल पार्क में पौधा रोपण कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. दिनेश कुमार एसएनओ हरियाणा सरकार, गुरप्रित आईटी सेल एनएसएस, जिला संयोजक चरण सिंह बडेसरा, धर्म सिंह पीओ, विजय कुमार पीओ के साथ कॉलेज डायरेक्टर महेश यादव, रजिस्ट्रार डॉ. देवेन्द्र यादव, प्रिंसिपल डॉ. देवेन्द्र कादयान साहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कॉलेज एनएसएस प्रभारी डॉ. राजेश डागर ने बताया एनएसएस के वालियंटरों ने शहर के मध्य स्थित ताऊ देवीलाल पार्क में स्वच्छता अभियान चलाया। इस पार्क को स्वयं सेवकों ने साफ-सुथरा कर यहां 101 पौधे लगाए। इसके बाद पूरे शहर में पौधा रोपण व पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक रैली निकालकर पौधे वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया।

हैप्पी स्कूल में अंग्रेजी प्रश्नोत्तरी व पेपर बैग मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अंग्रेजी विषय की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता कांटेस्ट कंटेंडर्स का आयोजन किया गया तथा कक्षा छह से आठवीं के छात्र-छात्राओं ने पेपर बैग मेकिंग प्रतियोगिता में अपना नाम दर्ज करवाया। अंग्रेजी अध्यापक पंकज शर्मा और अध्यापिका नीलम यादव के अनुसार प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में क्रमशः चार टीम आनंद, रामानुजन, नारायणा और टैगोर बनाई गई, जिसमें प्रत्येक टीम में चार सदस्यों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल और प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल ने शिरकत की। मंच संचालन कक्षा दसवीं की छात्रा अक्षु और दीपांशी ने किया। टीम नारायणा ने प्रथम और टीम आनंद ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा छठी से आठवीं के विद्यार्थियों ने पेपर बैग मेकिंग में हिस्सा लेते हुए अपनी कला प्रस्तुत की। प्रतियोगिता में कक्षा छह से साक्षी, कार्तिक, काव्या, गौरव, तनुष्का और कृतिका को प्रथम स्थान, कक्षा छह के जतिन सोनी, जतिन गोयल, मोहित, दीक्षा, भावना, भूपेश, तन्वी, राहुल, यश तन्नू, पर्व को द्वितीय स्थान और कक्षा छह के छात्र हर्षित, मोहित, भूमि, नव्या, मयंक, रौनक और शिवानी द्वारा बनाए गए बैग को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।

यदुवंशी में एनएसएस स्वयंसेवकों ने किया पौधरोपण

महेंद्रगढ़। विद्यालय में पौधरोपण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। यदुवंशी शिक्षा निकेतन के स्वयंसेवकों ने अपने दूसरे एक दिवसीय कैंप के दौरान विद्यालय प्रांगण में पौधारोपण कर प्रकृति को बचाने का संदेश दिया। इस दौरान प्रत्येक स्वयंसेवक ने एक-एक पौधा लगाया, वहीं पुराने लगे पेड़-पौधों की कटाई, छंटाई व निराई का कार्य किया।निदेशक विजय सिंह यादव एवं डॉ. राजेन्द्र सिंह ने स्वयं-सेवकों के पौधरोपण कार्यों की प्रशंसा की तथा कहा कि पेड़ उस हवा को बेहतर बनाते हैं, जिसमें हम सांस लेते हैं। ये हवा से कार्बन डाइऑक्साइड को सोखते हैं तथा ओजोन और कणों सहित वायु प्रदूषकों को फिल्टर करते हैं। वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव एवं चेयरपर्सन संगीता यादव ने विद्यार्थियों द्वारा किए गए श्रमदान की प्रशंसा की तथा स्वंयसेवकों के पौधरोपण प्रतिभागिता कार्य का निरीक्षण किया। यदुवंशी ग्रुपचेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि पर्यावरण से बढ़कर इस संसार में कोई निधि नहीं हैं, पौधरोपण का उद्देश्य देश में हरित आवरण को बढ़ाकर पर्यावरणीय स्थिरता में योगदान करना है। स्वयंसेवकों द्वारा चलाया गया पौधरोपण अभियान का यह उचित समय है, जिसमें प्रत्येक पौधा लगकर भूमि को हरी-भरी करने में अपनी भूमिका निभाएगा।

खंड स्तरीय प्रतियोगिता में मॉडर्न का रहा शानदार प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। खंड स्तरीय विभिन्न प्रतियोगिता में मॉडर्न स्कूल भोजावास ने तीन स्थान प्राप्त किए। इन विभिन्न प्रतियोगिता में प्रियंका 12वीं कक्षा कला संकाय ने डॉक्यूमेंट्री फिल्म विद एनिमेशन कंपटीशन में दूसरा, भाषण प्रतियोगिता में भावेश कक्षा नौवीं ने तीसरा, कविता पाठ प्रतियोगिता में चहक कक्षा 11वीं विज्ञान संकाय ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रथम, द्वितीय व तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले ये सभी प्रतिभागी जिला स्तर पर होने वाली विभिन्न प्रतियोगिता में कनीना खंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। इन प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को संस्था निदेशक राजकुमार यादव व हवासिंह यादव, प्रबंधन समिति सदस्य मनोज कुमार, नवीन कुमार, प्राचार्य अनिल कुमार, वरिष्ठ अध्यापिका शकुंत शहरावत, रिंकू यादव, वरिष्ठ अध्यापक राम सिंह, राकेश कुमार तथा समस्त स्टाफ सदस्यों ने शुभकामनाएं दी। संस्था निर्देशक राजकुमार यादव ने उनकी तैयारी करवाने वाले अध्यापकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों की तैयारी जिन अध्यापकों ने करवाई है वे अध्यापक विशेष प्रशंसा के पात्र हैं। उन्हें पूरा विश्वास है कि ये विद्यार्थी जिला स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में विद्यालय व अपने माता-पिता का नाम रोशन करेंगे।

सूरज स्कूल के 4 विद्यार्थी सीए फाइनल की परीक्षा उत्तीर्ण कर बने चार्टर्ड एकाउंटेंट

छात्र अश्वनी | दिव्या सिंघल | मुकुंद | कृष

नैंसी गांधी

महेंद्रगढ़। गत माह इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित सीए की फाईनल एवं इंटरमिडिएट की परिक्षा का परिणाम 11 जुलाई को घोषित किया गया, जिसमें सूरज स्कूल महेंद्रगढ़ के 4 विद्यार्थी सफलता हासिल कर सीए बनकर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया। निदेशक संदीप प्रसाद ने बताया सीए फाईनल की में छात्रा नैंसी गांधी, दिव्या सिंघाल, मुकुंद महेश्वरी व अश्वनी परीक्षा को पास सीए बने तथा छात्र कृष ने सीए इंटरमिडिएट की परीक्षा को उत्तीर्ण किया। इन सभी विद्यार्थियों ने सीबीएई की बारहवीं परीक्षा को भी अच्छे अंको के साथ उत्तीर्ण किया था। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु विद्यालय में पढ़ाई के साथ साथ सभी प्रतियोगी परिक्षाओ की तैयारी के लिए भी बैच रखे जाते हैं एवं छात्रावास की उत्तम व्यवस्था है। इस परीक्षा में पास हुए विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने सभी अध्यापकों के साथ अभिभावकों को भी बच्चों को उचित मार्गदर्शन के लिए बधाई दी।

यदुवंशी थनवास में अंग्रेजी डिबेट प्रतियोगिता आयोजित

नारनौल। यदुवंशी शिक्षा निकेतन थनवास में कक्षा छह से आठवीं के बच्चों के बीच इंग्लिश डिबेट कंपटीशन आयोजित हुआ। इस प्रतियोगीता में यदुवंशी ग्रुप के डायरेक्टर राजेंद्र यादव ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश यादव व डायरेक्टर सुनीता यादव ने बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत की। इस डिबेट का मुख्य विषय पर्यावरण प्रदूषण था। अंग्रेजी शिक्षक वरुण शर्मा ने बताया कि विद्यालय चार हाउस के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें लव-कुश हाउस ने प्रथम, अभिमन्यु हाउस ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

रिटायर्ड कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर एसडीएम को सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। मांगों को लेकर प्रदर्शन करते रिटायर्ड कर्मचारी संघ के सदस्य।

रिटायर कर्मचारी संघ हरियाणा की जिला इकाई महेंद्रगढ़ ने अपनी मांगों के समर्थन में जिला प्रधान पूर्णचंद नारनौलिया की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय का धरना दिया गया और उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री हरियाणा को ज्ञापन प्रेषित किया गया। धरने का संचालक धर्मपाल शर्मा ने किया।

जिला प्रधान पूर्णचंद ने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारी लंबे समय से अपनी मांगों के समाधान के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन सरकार रिटायर कर्मचारियों की पुकार नहीं सुन रही है। बार-बार मुख्यमंत्री हरियाणा से मांगपत्र देकर अनुरोध किया जा चुका है, लेकिन सरकार अनदेखी कर रही है, जिसके फलस्वरूप रिटायर कर्मचारी परेशान हो रहे हैं। इसलिए उम्मीद है कि जनहित में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लोकतांत्रिक तरीके से बातचीत करके मांगों को लागू कर वरिष्ठ नागरिकों को अनुग्रहित करेंगे। उन्होंने डीसी की अनुपस्थिति में एसडीएम जितेंद्र सिंह को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें उन्होंने कॉम्यूटेशन की गई राशि को न्यायालय द्वारा 10 वर्ष के बाद काटने पर रोक लगाने की नीति कर्मचारियों पर लागू की करने की मांग की। साथ ही उन्होंने पेंशनर को 65 वर्ष की आयु पर 10 प्रशित व 75 वर्ष की आयु होने पर 20 प्रतिशत की बेसिक पेंशन में बढ़ोतरी करने, मेडिकल भत्ता 3000 मासिक करने व बिना शर्त के पेंशनरों को कैशलेस मेडिकल सुविधा देने आदि मांग उठाई। इस मौके पर डिप्टी जनरल सेक्रेटरी जगलाल निनानियां, धर्मपाल शर्मा, पूर्व जिला प्रधान मास्टर धर्मेंद्र यादव, दुलीचंद गोठवाल, महेंद्र आदि मौजूद थे।

बुजुर्गों के साथ संबंधों को विकसित करेगा मां के नाम पौधारोपण अभियानः अमित यादव

नांगल चौधरी। सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्राचार्या वंदना यादव की अगुवाई में पौधारोपण अभियान चलाया है। संस्था के प्रबंधक निदेशक अमित यादव ने विद्यार्थियों को फल एवं फूलदार पौधे वितरित किए। इसके बाद सामाजिक संस्कारों में मां के नाम पौधारोपण अभियान की अनिवार्यता से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि संचार पद्धति विकसित होने से शहरों की दूरियां कम हो गई हैं।

जीएल की छात्रा दिव्या मित्तल को मिली सीए फाइनल परीक्षा में कामयाबीः महेंद्रगढ़। जीएल पब्लिक स्कूल कनीना की छात्रा दिव्या मित्तल पुत्री हेमंत मित्तल ने द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टेड एकाउन्टेंट्स ऑफ इंडिया की ओर से सीए फाइनल की परीक्षा उत्तीर्ण की है। छात्रा दिव्या मित्तल ने अपनी पढ़ाई जीएल पब्लिक स्कूल कनीना में कक्षा एलकेजी से लेकर कक्षा बारहवीं कामर्स संकाय से की हैं।

सार्वजनिक सूचना

मैं, संजय कुमार शर्मा पुत्र श्री श्याम सुंदर शर्मा वासी कनीना, तहसील कनीना जिला महेन्द्रगढ़ बयान करता हूं एक बैयनामा वसीका नंबर 2735 दिनांक 20.12.1997 जिसकी संयुक्त सब रजिस्ट्रार कनीना से तसदीक करवाई थी। जिसकी मूल प्रति 11.03.2023 को बस स्टैंड कनीना के आस-पास गिरकर गुम हो गई। किसी व्यक्ति को मिले तो उपरोक्त पते पर पहुंचाने का कष्ट करे।

कार्यालय ग्राम पंचायत - नूनी कलाँ
सफाई कर्मी लगवाने हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि खण्ड सीहमा की ग्राम पंचायत नूनी कलां में 01 पद पर ग्रामीण सफाई कर्मचारी की नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित हैं। आवेदक स्त्री या पुरूष कोई भी हो सकता है। आवेदक शारीरिक रूप से काम करने में समर्थ एवं स्वस्थ होना चाहिए। वह किसी भी कार्य दिवस में खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी, सीहमा कार्यालय में लेखाकार से आवेदन प्राप्त करके दिनांक 15.07.2024 से 19.07.2024 तक (समय प्रातः 09.00 बजे से सांय 05.00 बजे तक) जमा करवा सकते हैं। आवेदनकर्ताओं का साक्षात्कार दिनांक 22.07.2024 को प्रातः 10.00 बजे खण्ड कार्यालय सीहमा में किया जाएगा। उक्त पद पर चयन उपरान्त हरियाणा सरकार द्वारा निर्धारित दरों अनुसार मानदेय प्रदान किया जाएगा।

सरपंच, ग्राम पंचायत नूनी कलां

खबर संक्षेप

कनीना। विधायक सीताराम यादव को ज्ञापन सौंपते कला एवं शारीरिक सहायक। फोटो : हरिभूमि

कला व शारीरिक सहायकों ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

कनीना। कला शिक्षा सहायकों व शारीरिक शिक्षा सहायकों ने विधायक सीताराम यादव को ज्ञापन सौंपकर रेगुलाइज पॉलिसी के माध्यम से समायोजित करने की मांग की है। इस बारे में कला शिक्षा सहायक संगठन के जिला प्रधान हुनेश कुमार ने बताया कि 2010 के ड्राइंग तथा पीटीआई जिन्होंने 11 वर्ष तक राजकीय विद्यालयों में कार्य किया था। इस मौके पर विनोद कुमार, अजेंद्र, जोगिंद्र, शर्मिला, अनिल, बलजीत सिंह, रेशम, सुरेंद्र सिंह, कृष्ण कुमार आदि मौजूद थे।

गृहमंत्री के समक्ष रखेंगे जिला मुख्यालय की मांग

महेंद्रगढ़। 16 जुलाई को गृहमंत्री के कार्यक्रम में क्षेत्र के लोग सरपंच देशराज फौजी के नेतृत्व में सीएम के समक्ष जिला मुख्यालय की मांग रखेंगे। अगर किसी कारणवंश गृहमंत्री से उनकी मुलाकात नहीं होती है वह स्वयं उनकी मांग सरकार तक पहुंचाएंगी।

जांगिड़ समाज की बैठक कल

नांगल चौधरी। विश्वकर्मा सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्था में 14 जुलाई को जांगिड़ समाज की बैठक आयोजित होगी। जिसमें समाज के भवन निर्माण का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जाएगा। इसके बाद सामाज में फैली विभिन्न करीतियों को मिटाने पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

अरावली क्षेत्र में 10 लाख से अधिक बीजों का बिखराव करेगा प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिले के वन क्षेत्र को हरा-भरा करने के मकसद से प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट एक अनूठा प्रयास शुरू करेगा। इस मुहिम के तहत ट्रस्ट ड्रोन, गुलेल व व्यक्तिगत माध्यम से अरावली की पहाड़ियों एवं मैदानों में बीजों का बिखराव करेगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय शर्मा ने बताया कि प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट पर्यावरण सरंक्षण के संकल्प ने अंतर्गत पौधारोपण अभियान संचालित करता रहा है। इस बार पर्यावरण संरक्षण प्रकल्प को मुख्य प्रकल्प के रूप में अपनाते हुए ट्रस्ट ने महेंद्रगढ़ व इसके साथ लगती राजस्थान की पहाड़ियों में 10 लाख से अधिक बीजों के बिखराव की योजना बनाई है, ताकि बिगड़े हुए पर्यावरण संतुलन को जीवनदान दिया जा सकें। प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट का उदेश्य पौधे उगाने की परम्परागत पद्दति के इतर नवीन एवं सरल तकनीक से हरियाली को संजोना है, ताकि राज्य के हरित आवरण को बढ़ाने के लिए कठिन तथा अछूते इलाकों में पहुंचकर देशी प्रजातियों के पौधे लगाने का प्रयत्न साकार किया जा सकें। ट्रस्ट की एक महत्वपूर्ण बैठक में अभियान को अमलीजामा पहनाने की रूपरेखा बनाई गई। जिसमें सघन बीजारोपण कार्यक्रम का संयोजक नरोतम सोनी व सह संयोजक भीमसेन पांडेय तथा अमित शर्मा को चुना गया। ट्रस्टी डा. जितेंद्र भारद्वाज ने बताया कि बैठक में वरिष्ठ ट्रस्टी शिक्षक बंसीलाल, प्राइवेट स्कूल संघ के प्रधान भीमसेन शर्मा, योगेंद्र यादव, शिक्षाविद राकेश शर्मा, दिनेश शर्मा, मुकेश दहिया, अरविंद कुमार, हितेंद्र बोहरा, गोविंद शर्मा एडवोकेट, ट्रस्टी अजय शर्मा, कृष्ण कुमार गुवानी एडवोकेट को जिम्मेदारी दी गई।

योगनाबद्ध संचालित होगा सघन बीजारोपण अभियान

प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के तत्वावधान में अगले सप्ताह 25 जुलाई से आरंभ होने जा रहे इस अनूठे अभियान के विषय में जानकारी देते हुए ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय शर्मा ने बताया कि इस अभियान के लिए बबूल, देसी कीकर, खैरी, रोज बेरी, जंगल जलेबी, इंद्र, जौ आदि प्रजातियों के बीजों व मिट्टी, खाद, जले हुए कोयले की राख आदि के मिश्रण से सीड बाल्स तैयार की गई हैं। ड्रोन तकनीक का प्रयोग करके इन सीड बाल्स को अरावली की पहाड़ियों पर बिखेरा जाएगा। इन सीड बाल्स की विशेषता यह रहेगी कि इन्हें बिखेरने के बाद अन्य किसी प्रकार की देखभाल की आवश्यकता रहेगी। तैयार सीड्स बाल्स में पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व मिश्रित किए गए हैं तथा इनमें मौजूद अन्य तत्व के कारण इन्हें दीमक, चूहों आदि द्वारा नष्ट किए जाने की आशंका नहीं रहेगी। बरसात आने पर इन सीड बाल्स में मौजूद चीजों में फुटाव आएगा व बाल्स में मौजूद पोषक तत्व इन पौधों की प्रारंभिक वृद्धि में सहायक होंगे। कार्यक्रम में वन विभाग का भी सहयोग लिया जाएगा। संजय शर्मा ने आगे बताया कि इसके अलावा मैदानी, नदियों के किनारे आदि के क्षेत्रों में प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट व अन्य सामाजिक संस्थाओं की टीमें वैयक्तिक रूप से भी बीजों का छिड़काव करेंगे। बच्चों एवं स्वयंसेवकों के माध्यम से गुलेल द्वारा दूर तक इन सीड बाल्स को फेंका जाएगा, ताकि दुर्गम व ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी बीजों का बिखराव हो सकें।

न्यूनतम अंकुरण से भी लाखों पौधे उग सकेंगे

ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय शर्मा ने बताया कि आमतौर पर बीज से पौधे बनने का औसत अनुपात 15 से 20 फीसदी का रहता है। चूंकि ट्रस्ट की ओर से जिस प्रकार की वनस्पति का चयन सघन बीजारोपण के लिए किया गया है। वह अरावली क्षेत्र की प्रकृति के बिल्कुल अनुकूल हैं। ट्रस्ट की ओर से बबूल, नीम, बेर, विलायती कीकर, जाटी, कैर आदि के बीजों का बिखराव किया जाएगा। जिनकी प्रकृति दक्षिण हरियाणा व आसपास के क्षेत्रों के लिए बहुत सहायक है। इस कारण 15 से 20 फीसदी तक बीज पौधों का रूप लेकर सफल हो सकते हैं।

नारनौल। सीटीएम मंजीत कुमार को ज्ञापन सौंपते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटरों ने सीटीएम को सौंपा ज्ञापन

नारनौल। पब्लिक हेल्थ ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटर जलकर्मी ऑर्गेनाइजेशन हरियाणा संबंधित भारतीय मजदूर संघ की बैठक शुक्रवार को लघु सचिवालय पार्क में हुई। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष दीपक कुमार ने की व मंच संचालन जिला सचिव धर्मेंद्र ने किया। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष आशीष गोरा व जिला मंत्री भंवरलाल ने शिरकत की। बैठक का मुख्य उद्देश्य उपायुक्त को पंचायत मंत्री महिपाल ढांडा के नाम ज्ञापन देना था। पदाधिकारियों ने बताया कि सभी जलकर्मियों को नियमिती करण पॉलिसी में शामिल किया जाए व सभी जलकर्मियों को पब्लिक हेल्थ विभाग में आठ0 घंटे ड्यूटी की जाए, ग्रामीण जल कर्मियों का रोजगार सुरक्षित किया जाए, सभी प्रकार के मेंटेनेंस कार्य पब्लिक हेल्थ को दिए जाए, किसी भी कर्मचारी को हटाया नहीं जाए, जल कर्मियों का न्यूनतम वेज 26 हजार किया जाए, यदि किसी जलकर्मी की मृत्यु ड्यूटी के दौरान होती है, उसके परिवार को नौकरी दी जाए व सहायता राशि तीन लाख प्रदान की जाए, कुछ पंचायत नगर निगम व नगर परिषद की सीमा में शामिल की गई है, उन जल कर्मियों का नगर परिषद अपने विभाग पोर्टल पर नाम दर्ज करें और उनका वेतन जल्दी से भुगतान करें, सभी जलकर्मियों को विभागीय पहचान पत्र, वर्दी भत्ता, औजार दिए जाए, जल कर्मियों को 65 वर्ष तक रोजगार सुरक्षा प्रदान की जाए व रिटायरमेंट पर 10 लाख रुपये की राशि दी जाए। इसके बाद कर्मचारियों ने नारेबाजी करते हुए सीटीएम मंजीत कुमार को पंचायत मंत्री महिपाल ढांडा के नाम ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर सुमेर सिंह, मनोज, धर्मवीर, नरेश, जय भगवान, अमर सिंह, अमन, सुरेंद्र सिंह, राजेंद्र, संदीप, महेंद्र, रामचंद्र, वीरेंद्र, रिंकू आदि मौजूद थे।

मांगों को लेकर नप के सफाई कर्मियों का प्रदर्शन, पत्र की जलाई प्रतियां

बढ़ोतरी कर 17 हजार वेतन की घोषणा खोखली, पहले ही थी 16900 रुपये

- नगर परिषद परिसर में बैठक करने उपरांत शुरू हुआ प्रदर्शन, प्रदर्शनकारियों ने पहले डीएमसी को सौंपा ज्ञापन
- नारेबाजी करते हुए महावीर चौक से लघु सचिवालय गए, जहां एसडीएम को राज्य सरकार के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नगर परिषद सफाई कर्मचारियों ने शुक्रवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार काले झंडे एवं उल्टी झाड़ू लेकर शहर में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की और सरकार पर सफाई कर्मचारियों का शोषण करने का आरोप लगाते हुए उस आदेश पत्र की महावीर चौक पर प्रतियां जलाई, जिसमें स्थानीय शहरी निकाय विभाग की ओर से सफाई कर्मचारियों का अलग से पोर्टल खोलने का आदेश जारी किया गया है। प्रदर्शनकारियों ने प्रदर्शन करते हुए नगर परिषद के डीएमसी महावीर प्रसाद शर्मा तथा लघु सचिवालय जाकर एसडीएम जितेंद्र सिंह को मुख्यमंत्री एवं शहरी स्थानीय निकाय हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव के नाम एक-एक ज्ञापन प्रेषित किया।

नगर परिषद परिसर में एकत्रित हुए कर्मचारियों को संबोधित करते हुए पालिका सफाई कर्मचारी संघ के प्रांतीय कोषाध्यक्ष महेंद्र सिंह संगेलिया ने कहा कि सरकार ने सफाई कर्मचारियों का शोषण करने की सभी सीमाएं पार कर दी हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम की तर्ज पर सफाई कर्मचारी व सीवरमैन के लिए अलग पोर्टल बनाकर अलग से वेतन निर्धारित कर सफाई कर्मचारियों को समाज की मुख्य धारा से अलग करने का षड्यंत्र रच दिया है, लेकिन सफाई कर्मचारी इसे किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने प्रदेश के सीएम नायब सैनी पर सस्ती लोकप्रियता हासिल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि हाल ही में सीएम ने सफाई कर्मचारियों का वेतन 15 हजार से बढ़ाकर 17 हजार रुपये करने की घोषणा की है, लेकिन कमाल की बात है कि सफाई कर्मचारियों को 16,900 रुपये मासिक वेतन पहले से मिलता रहा है। ऐसे में उन्होंने महज 100 रुपये की बढ़ौतरी की है।

इतना ही नहीं, यह सरकार सफाई कर्मचारियों की पहले से लंबित चली आ रही मांगों को भी पूरा नहीं कर रही। उन्होंने कहा कि गत 27 जुलाई 2023 को नो वर्क नो पे का पत्र जारी किया गया था तथा 31 मई 2024 को सफाई मित्र इन स्वच्छत्तम पोर्टल का पत्र जारी किया गया और सफाई कर्मचारियों की हाजिरी के लिए 311 ऐप बनाया गया। इन पत्रों से मालूम होता है कि सफाई कर्मचारियों को विशेष रूप से उत्पीड़ित करने के लिए यह पत्र जारी किए गए हैं, क्योंकि अन्य किसी भी सरकारी अर्ध सरकारी निगम, बोर्ड, कॉरपोरेशन द्वारा इस तरह का कोई भी पत्र जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि नगर निगम गुरुग्राम में छंटनी किए गए 3480 कर्मचारियों को बहाल किया जाए और इन्हें हरियाणा कौशल रोजगार निगम में शामिल किया जाए। हड़ताल में शामिल सभी कर्मचारियों का वेतन दिया जाए और चार्जशीट, झूठे मुकदमे एवं उत्पीड़न रोके जाएं। सफाई कर्मचारियों व सीवर मैनों की पक्की भर्ती की जाए और गांव से लेकर शहर तक सभी प्रकार के कच्चे सफाई कर्मचारियों व सीवर मैनों का वेतन, सफाई भत्ता, वर्दी भत्ता, धुलाई भत्ता व अन्य भत्तों सहि वेतन 26 हजार रुपये मासिक तथा पांच प्रतिशत वार्षिक बढ़ौतरी लागू की जाए। संघ व सरकार के बीच 29 अक्टूबर 2022, 5 अप्रैल 2023 को जो फैसले हुए हैं, उनको लागू किया जाए। ईपीएफ एवं ईएसआई की सुविधा सभी कर्मचारियों को दी जाए। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा हमारी मांगों को तुरंत प्रभाव से लागू किया जाए। यदि 21 जुलाई तक इन मांगों को लागू नहीं किया गया तो रोहतक में प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा और हड़ताल जैसे कठोर कदम उठाकर सरकार की ईंट से ईंट बजा दी जाएगी।

नारनौल। महावीर चौक पर सरकार के आदेश पत्र की प्रतियां जलाकर नारेबाजी करते कर्मचारी व नगर परिषद के डीएमसी महावीर प्रसाद को ज्ञापन सौंपते सफाई कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सर्व कर्मचारी संघ के राज्य सचिव महेंद्र सिंह बोयत, इकाई प्रधान सुरेश कुमार जैदिया, जिला प्रधान राहुल सारवान, इकाई महासचिव महावीर प्रसाद, जसवंत कुमार, अमित, राहुल, देवानंद, रोशनलाल, विक्रम, राजेश, भीमसिंह, निरंजन लाल, सुनील बोयत, सुरेंद्र कुमार, मनोज कुमार, दीपक, शंकरलाल, आशु कुमार, नरवीर सिंह, घनश्याम, मंजू देवी, ममता, बबली, सुनीता व सरोज देवी आदि मौजूद थे।

जीएम को सौंपा सात सूत्री मांगपत्र

नारनौल। हरियाणा रोडवेज मिनिस्ट्रियल स्टाफ एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने नारनौल डिपो में बैठक की। जिसकी अध्यक्षता मिनिस्टर स्टाफ प्रधान यजुवेंद्र सिंह तथा राज्य उपप्रधान अरविंद यादव ने की। मीटिंग का मुख्य एजेंडा उचित माध्यम द्वारा मिनिस्ट्रियल स्टाफ के मांग पत्र को सरकार के पास पहुंचाना रहा। इसी दौरान नारनौल डिपो के महाप्रबंधक अनित कुमार यादव को अपना मांग पत्र सौंपा गया। पदाधिकारियों का कहना है कि विभाग में वर्क प्रोफाइल को अनदेखा करते हुए किए जा रहे शोषण बारे में व जबसे डिपो की स्थापना हुई है, तबसे सहायकों के पदों की संख्या ज्यों की त्यों है। कर्मचारी आज भी स्वीकृत पदों की कमी या अभाव में परिवहन विभाग का लिपिक सहायक पद का कार्य करंट ड्यूटी चार्ज कर रहे हैं। उपरोक्त तथ्यों को मद्देनजर रखते हुए हरियाणा सरकार द्वारा गत 21 दिसंबर को जारी किए गए वर्क एसेसमेंट नॉर्म्स एंड स्टॉफिंग पॉलिसी के अनुसार कार्यालय संरचना का निर्माण एवं सहायक पदों का मूल्यांकन अनुसार समस्या का समाधान करें। अन्यथा विभाग किसी भी प्रकार का आंदोलन, हड़ताल होने की एवज में स्वयं जिम्मेदार होगा। इस दौरान भूपेंद्र लिपिक, अजीत लिपिक, किरण लिपिक व ममता लिपिक आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

एक साल बीतने के बाद भी नहीं बना मीडिया सेंटर मुख्यमंत्री की घोषणा को पलीता लगा रहे अफसर

- 13 जुलाई को महेंद्रगढ़ आगमन पर मुख्यमंत्री से मिलेगा पत्रकारों का शिष्टमंडल

महेंद्रगढ़। प्रदेश में अफसर शाही के हावी होने की चर्चाएं अक्सर सुनने को मिलती हैं। इसका जीता जागता उदाहरण महेंद्रगढ़ में देखने को मिल रहा है। जिले में अफसरशाही किस कदर हावी है, इसका अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि मुख्यमंत्री के आदेश के एक साल होने पर भी उनकी पालना नहीं की गई। हरियाणा पत्रकार संघ द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में मुख्यमंत्री के मीडिया एडवाइजर अमित आर्य के सामने पत्रकारों ने महेंद्रगढ़ में मीडिया सेंटर खोलने की मांग की थी। पत्रकारों की इस मांग को उन्होंने मुख्यमंत्री के सामने रखा और इसे मंजूरी दिलाई। सूचना, जन संपर्क एवं भाषा विभाग चंडीगढ़ के महानिदेशक ने नौ अगस्त 2023 को पत्र क्रमांक:2023/2775 के माध्यम से जिला उपायुक्त को महेंद्रगढ़ के लघुसचिवालय में मीडिया सेंटर खोलने के लिए जगह उपलब्ध करवाने के आदेश जारी किए गए थे तथा बजट भी पास हो गया, लेकिन अफसरों की उदासीनता के चलते अभी तक मीडिया सेंटर के लिए जगह तक उपलब्ध नहीं कराई गई है। लघु सचिवालय में कुछ विभागों द्वारा कब्जा जमाया हुआ है, जबकि उनके अपने नए भवन खंडहर होते जा रहे हैं। मीडिया सेंटर को जल्द खोलने की मांग को लेकर पत्रकारों का शिष्टमंडल कई बार जिला उपायुक्त व एसडीएम से भी मिल चुके हैं। अब 13 जुलाई को सभी पत्रकार मिलकर मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे।

महेंद्रगढ़। पौधरोपण करते स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

टैगोर स्कूल में पर्यावरण संरक्षण के लिए लगाए पौधे

महेंद्रगढ़। टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रांगण में पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण किया गया। उपरोक्त जानकारी देते हुए विद्यालय के मीडिया प्रभारी मनीष यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए चलाए गए अभियान एक पेड़ मां के नाम के तहत जिला महेंद्रगढ़ में अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने का आह्वान किया गया। जिसके तहत स्कूल में एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर विद्यालय की प्राचार्या के साथ-साथ कोच अहलावत व स्वयंसेवकों ने एक पेड़ मां के नाम के पर लगाया। विद्यालय की प्राचार्या ने बताया कि हमें बरसात के समय में अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने चाहिए। हमें उनकी देखभाल जब तक करनी चाहिए। तब तक वह पेड़-पौधे बड़े ना हो जाए। पेड़-पौधे ही इस धरती के प्राण हैं। इसे ही हमें औषधि, फल, फूल व लकड़ी मिलती है। जो हमारे जीवन के लिए सबसे जरूरी है। अंत में विद्यालय के एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर ने स्वयं सेवकों के साथ पौधारोपण किया।

सीएल स्कूल में किया पौधारोपण

नारनौल। स्पेल बी प्रतियोगिता का फाइनल राउंड शुक्रवार को सीएल पब्लिक स्कूल में नीलिमा गुप्ता, सोनिया शरसार की देखरेख में हुआ। इस प्रतियोगिता में व्योम, तन्वी, मोहनाश्री, सोम्या, नव्या, रूद्र, कनिका, भव्या, सिमरन विजयी रहे। विजेता विद्यार्थियों को प्राचार्य रविंद्र सिंह ने बधाई दी। उन्होंने कहा कि सीएलपीएस के बच्चे बहुत ही प्रतिभाशाली और होशियार है। उन्होंने बच्चों की कड़ी मेहनत और समर्पण की सरहाना की। इसके साथ एक पेड़ मां के नाम मुहिम के तहत स्कूल प्रांगन में एक पौधा लगाया गया व सभी बच्चों से भी एक-एक पौधा लगाने का आह्वान किया। इस मौके पर हेड मैम मोनिका कौशल व समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

मांगों को लेकर एमपीएचई एसोसिएशन ड्यूटी के दौरान काले बिल्ले पहनकर जताएगी रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नागरिक अस्पताल में एमपीएचई एसोसिएशन की बैठक का आयोजन हुआ। जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान धर्मवीर यादव ने की। संचालन जिला सचिव राजकुमार यादव व प्रवीण कौशिक ने किया। इस बैठक में बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसियेशन हरियाणा की पूर्व राज्य प्रधान व वर्तमान राज्य संयोजक लाजवंती बेवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश चौहान, महासचिव हरिनिवास, राज्य उपप्रधान सुरेश कटारिया, कमेटी सदस्य बबिता सोनीपत, नफेसिंह मुख्यातिथि थे।

इस अवसर पर जिला प्रधान धर्मवीर यादव ने राज्य संयोजक व राज्य कमेटी से जिला महेंद्रगढ़ में पहुंचे सभी राज्य पदाधिकारियों का स्वागत सम्मान किया और जिले के सभी स्वास्थ्यकर्मियों को अपनी मांगों के समर्थन में 15 जुलाई को ड्यूटी के दौरान काले बिल्ले पहनकर रोष जताने व चार अगस्त सीएम सिटी करनाल में धरना प्रदर्शन करके रोष प्रदर्शन करने के लिए करनाल पहुंचने का आह्वान किया। मुख्यातिथि पूर्व राज्य प्रधान व राज्य संयोजक लाजवंती बेवाल ने जिले के स्वास्थ्य कर्मचारी साथियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार व स्वास्थ्य विभाग के ऊंच अधिकारी सभी जायज लंबित मांगों के समर्थन में 15 जुलाई को ले रहे है। इस मौके जिला कोषाध्यक्ष मोहित दोचाना, पूर्व प्रधान रणबीर सिंह, पूर्व प्रधान अनिल रसूलपुरिया, पूर्व राज्य संगठन सचिव प्रवीण कौशिक, स्वास्थ्य निरीक्षक धर्मेंद्र यादव, कनीना ब्लॉक प्रधान संदीप यादव, दोचाना के ब्लॉक प्रधान सतीश, मनोज, मुकेश यादव, राजेंद्र, विपिन, राजेंद्र, लक्ष्मण, ऋषिराज, भूपेंद्र, दिनेश, दिनेश शर्मा, राजीव, सुधीर, कैलाश, राकेश आदि मौजूद थे।

नारनौल। बैठक करते एसोसिएशन के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

करीरा में किया बीएसएनएल ओएलटी एक्सचेंज का उद्घाटन

कनीना। बीएसएनएल की ओर से कनीना सब डिवीजन के गांव करीरा में दस हाईस्पीड एफटीडीएच इंटरनेट कनेक्शन फ्री दिए जाएंगे। ये घोषणा बीएसएनएल रेवाड़ी के महाप्रबंधक पूर्णचंद ने शुक्रवार को करीरा गांव में ओएलटी, ओप्टीकल लाइन टर्मिनल एक्सचेंज का उद्घाटन करते हुए की। फ्री दिए जाने वाले कनेक्शन में सरकारी स्कूल, स्वास्थ्य सब सेंटर, जेएनवी, ग्राम पंचायत आदि शामिल हैं। ओएलटी एक्सचेंज का उद्घाटन बीएसएनएल के जीएम पूर्णचंद, एडीएम प्रमोद कुमार, अनूप कुमार, एसडीओ नित्यानंद, विपिन कुमार, राजीव सक्सेना की उपस्थिति में कप्तान सुमेर सिंह ने रिबन काटकर किया। उन्होंने कहा कि एक्सचेंज खुलने से क्षेत्र के हजारों उपभोक्ताओं को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि निजी संचार कम्पनियां उपभोक्ताओं की जेब काटने का कार्य कर रही हैं। इस मौके पर वेदप्रकाश, वीरेंद्र सिंह, हंसराज, जगदीश प्रसाद, शीशराम, धर्मबीर उपस्थित थे।

नारनौल। जनसमस्याएं सुनते डीएमसी महावीर प्रसाद। फोटो : हरिभूमि

जिले में कुल 69 शिकायतें आई अधिकतर का मौके पर समाधान

नारनौल। राज्य सरकार के निर्देशानुसार लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में शुक्रवार को जिला नगर आयुक्त महावीर प्रसाद ने आमजन की शिकायत सुनी तथा अधिकतर शिकायतों का मौके पर ही निपटान किया। जिले में कुल 69 शिकायतें आई। जिला नगर आयुक्त महावीर प्रसाद ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोगों की समस्याओं को जल्द से जल्द निपटाने के प्रयास करें। सरकार के निर्देश पर जिला व उपमंडल स्तर पर कार्य दिवस पर सुबह नौ से 11 बजे तक समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह, डीएसपी सुरेश कुमार, डीडीपीओ हरिप्रकाश बंसल के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। वहीं प्रदेश सरकार के निर्देश पर लग रहे समाधान शिविरों में नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है। शुक्रवार को समाधान शिविर में अतिरिक्त उपायुक्त दीपक बाबूलाल करवा ने परिवार पहचान पत्र के लिए डीसी कोर्ट में कैंप लगाकर मौके पर ही नागरिकों का समाधान किया।

सीवरेज अव्यवस्था बनी परेशानी का सबब, आए दिन ओवरफ्लो रहे सीवरेज

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

शहर की सीवरेज व्यवस्था लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। कहीं सीवरेज ओवरफ्लो, कहीं खुले सीवरेज के मैनहॉल तो कहीं सीवरेज के मैनहॉल के ऊंचे नीचे ढक्कन लोगों की समास्या का कारण बनी हुई है। ऐसा नहीं है कि विभाग के अधिकारी लोगों की समास्या को जानते नहीं है। विभाग के अधिकारी सबकुछ जानकार भी अनजान बना हुआ है।

बता दें कि शहर में करीब दो दशक पहले सीवरेज सुविधा शुरू हुई थी। प्रारंभिक दौर में तो लोगों ने इस व्यवस्था के शुरू होने पर खुशी जताई थी, लेकिन धीरे-धीरे शुरू हुई यह सुविधा लोगों के लिए दुविधा बन गई। मौजूदा हालत यह है कि शहर में कोई ऐसी गली या मौहल्ला नहीं है, जहां सीवरेज व्यवस्था को लेकर लोग परेशान नहीं हो। आधे से अधिक मुख्यमार्गों पर मैनहॉल ओवरफ्लो हो रहे है। कहीं मैनहॉल के ढक्कन नहीं है, कहीं ढक्कन लगा है तो वो टूटा पड़ा है। कई जगह तो मैनहॉल सड़क के लेवल से काफी ऊंचे-नीचे है, जिससे हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ऐसे में संबंधित विभाग के कार्यालय में लोग प्रतिदिन शिकायत कर रहे है, अधिकारी शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। इन दिनों मोहल्ला महायचान, मोहल्ला खटीकान, वाल्मीकि, 11 हट्टा बाजार में सीवरेज ओवरफ्लों होकर गंदा पानी रोड पर बह रहा है। महायचान में सीवरेज ओवरफ्लो के शिकायत आम है। यहां रहने वाले लोगों का कहना है कि विभाग के अधिकारी एक बार शिकायत पर आते है। दो घंटे मशीन खड़ी करते हैं और चले जाते हैं। बाद में हालात यथावत रहते हैं। दादरी रोड फ्लाईओवर के नीचे से रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले मार्ग पर रोड पर कई जगह सीवरेज मैनहॉल के ढक्कन सड़क से नीचे है तो कहीं ऊंचे होने से प्रतिदिन दुर्घटनाओं को निमत्रंण दे रहे हैं।

महेंद्रगढ़। मोहल्ला खटीकान में रोड बहता सीवरेज का गंदा पानी। फोटो : हरिभूमि

मोहल्ला महायचान में दो फीट गंदा पानी सड़क पर खड़ा

मोहल्ला महायचान में करीब चार दिन से सीवरेज ओवरफ्लो होने के चलते गंदा पानी रोड पर खड़ा है। गली में करीब दो फीट गंदा पानी खड़ा है। गली में पानी खड़ा होने के कारण लोग घरों में कैद होकर रह गए हैं। यहां के लोगों को वर्षों से इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन सरकार और प्रशासन कोई स्थाई समाधान नहीं निकल पाई। कुछ वर्ष पहले बारिश के पानी की निकासी के लिए जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से पनडुब्बी व जरनेटर लगाया गया था, जिसमें नगर पालिका की डीजल डालकर पानी की निकासी की जाती थी। जिससे लोगों को कुछ राहत मिल जाती थी, लेकिन पिछले पनडुब्बी व जरनेटर खराब हो गया था। जिसे ठीक करने के लिए जनस्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी लेकर गए थे। लेकिन अभी तक पनडुब्बी ठीक होकर नहीं आई है। मोहल्ले के लोगों ने समस्या का समाधान करने की मांग की है।